साप्ताहिक समाचार पत्र

राजस्थान की राजनीति

दौसा से प्रकाशित

राजस्थान की राजनीति
आपकी आवाज़ के साथ

E-mail: tniawaz.news@gmail.com

आपकी आवाज के साथ....

RAJHIN/2012/43137

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, रविवार 15 नवंबर 2026 | » वर्ष: 15 » अंक: 18 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

आज का सुविचार है

''अनुशासन की ज़रूरत तब पड़ती है, जब मन भटक रहा हो; यह हमें शांत और केंद्रित रहने में मदद करता है, और सच्ची खुशी की ओर ले जाता है।''

राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन के विकास को लेकर अहम बैठक

प्रदेश में निवेशकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राजस्थान के औद्योगिक विकास को मिल रही अभूतपूर्व गति

3 महीने में पूर्ण हो आवंटन प्रक्रिया और 6 महीनों में औद्योगिक इकाई का संचालन

प्रदेश में रोजगार सृजन एवं राजस्व अर्जन का केन्द्र बन रहा राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन

राजस्थान की राजनीति





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन प्रदेश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां देने के साथ ही रोजगार सृजन एवं राजस्व अर्जन का प्रमुख केन्द्र बन रहा है। इस क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल आधारित अधिकाधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाए तथा पेट्रोकेमिकल उत्पादों का निर्माण एवं उनका उपयोग प्रदेश में ही सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार के प्रयासों से औद्योगिक गतिविधियों को अभूतपूर्व गति मिल रही है। पेट्रोकेमिकल जोन के सुनियोजित विकास से प्रदेश में निवेश के और नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री शनिवार को राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन के विकास, औद्योगिक निवेश एवं उपलब्ध संभावनाओं के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जोन के विकास से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करते हुए इसे निवेशकों के लिए आकर्षक औद्योगिक गंतव्य के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि औद्योगिक भूखंडों का आवंटन केवल औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहे, बल्कि आवंटित भूखंडों पर निर्धारित समयावधि में वास्तविक औद्योगिक गतिविधियां प्रारंभ होना भी सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया आगामी तीन माह में अनिवार्य रूप से पूरी की जाए। आवंटन प्राप्त करने के छह माह के भीतर औद्योगिक इकाई की स्थापना एवं संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शेष उपलब्ध भूखंडों का आवंटन शीघ्र नीलामी के माध्यम से करने तथा पूर्व में भूखंड आवंटित होने के बावजूद औद्योगिक गतिविधियां प्रारंभ नहीं करने वाले आवंटियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक भूमि का उपयोग वास्तविक उत्पादन गतिविधियों के लिए हो तथा निवेश के नाम पर भूखंडों का अनावश्यक रूप से उपयोग लंबित नहीं रखा जाए।

स्थानीय स्तर पर उत्पादन हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेट्रोकेमिकल जोन का विकास इस दृष्टि से किया जाए कि रिफाइनरी से प्राप्त होने वाले उत्पादों का उपयोग प्रदेश में ही विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा किया जा सके। इससे स्थानीय स्तर पर उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ ही उद्योगों की लागत एवं आपूर्ति व्यवस्था को भी बेहतर बनाने की संभावनाएं विकसित होंगी। उन्होंने सीमेंट, पाइप सहित विभिन्न उत्पादों के निर्माण में पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उपयोग की संभावनाओं का आकलन करने के निर्देश दिए। साथ ही, प्रदेश में इन उत्पादों की वर्तमान मांग, उपभोग एवं भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं का विस्तृत अध्ययन करवाने पर जोर दिया।

उन्होंने इस क्षेत्र में पहले से कार्यरत उद्यमियों एवं संबंधित औद्योगिक इकाइयों संचालकों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। इन बैठकों में उद्यमियों की आवश्यकताओं, मांगों एवं सुझावों पर विचार कर उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए, ताकि स्थानीय उद्योगों को जोन से जोड़कर मजबूत औद्योगिक इकोसिस्टम विकसित किया जा सके।

निवेशकों की बैठक आयोजित कर आकर्षित करें निवेश

मुख्यमंत्री ने बालोतरा में निवेशकों की बैठक आयोजित कर राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने तथा स्थानीय स्तर पर औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निवेशकों को रिफाइनरी से उपलब्ध होने वाले बाय-प्रोडक्ट्स का लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए रिफाइनरी अधिकारियों को स्थानीय स्तर पर औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने वाले निवेशकों को रिफाइनरी के बाय-प्रोडक्ट्स रियायती दरों पर उपलब्ध करवाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निवेश प्रोत्साहन योजनाओं का हों प्रभावी क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री ने निवेशकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने के लिए समय-समय पर निवेश सम्मेलन आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना एवं प्लग एंड प्ले सहित अन्य निवेश संवर्धन योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ अधिकाधिक निवेशकों एवं उद्यमियों तक पहुंचे तथा औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में आने वाली कठिनाइयों का समाधान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन का विकास प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना, स्थानीय स्तर पर उत्पादन, निवेश विस्तार और रोजगार के नए अवसरों के सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करें।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित निवेश संवर्धन ब्यूरो, राजस्थान औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम, उद्योग विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

'कृष्ण-राधा से रणभूमि तक' कार्यक्रम सनातन संस्कृति को मजबूती देने वाला

बृज क्षेत्र से मेरा गहरा नाता, संगीतमय प्रस्तुति ने जीवंत की भगवान श्री कृष्ण की लीलाएं - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राजस्थान की राजनीति





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बिड़ला सभागार में लेखक एवं कलाकार मनोज मुंतशिर की विशेष लाइव म्यूजिकल प्रस्तुति 'कृष्ण-राधा से रणभूमि तक' कार्यक्रम को देखा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर के प्रति व्यक्ति जिस श्रद्धा से अपने भाव अर्पित करता है, उसे उसी अनुसार फल मिलता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से भगवान कृष्ण की लीलाओं का अद्भुत मंचन किया गया है। इसके लिए सभी कलाकार और इसके आयोजक बधाई के पात्र हैं तथा इस प्रकार की प्रस्तुति से हमारी सनातन संस्कृति और अधिक मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अष्ट छाप के कवि गोविंद स्वामी जी और बृज क्षेत्र से उनका गहरा नाता है। बृज में समय बिताकर भगवान कृष्ण की लीलाएं आज भी देखने को मिल जाती हैं।

मुख्यमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सांसद मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष राजेश मंगल, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, महापौर सुनील कोठारी सहित अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

पीएम मोदी के काफिले में शामिल आईएएफ हेलिकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी, मरम्मत के लिए पहुंची विशेषज्ञ टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

कर्नाटक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मैसूरु दौरे के दौरान उनके काफिले में शामिल भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के एक हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते हेलिकॉप्टर शनिवार को ललित महल के पास स्थित जयचामराजा वाडियार हेलीपैड पर खड़ा रहा। विमान को ठीक करने के लिए तकनीकी कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत का काम शुरू किया। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी दोपहर करीब 3:20 बजे COS-MOS-मैसूरु तारामंडल का उद्घाटन करने के लिए मैसूरु पहुंचे थे। उनके दौरे के लिए तीन हेलिकॉप्टर हेलीपैड पर उतरे थे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बाद जब उनका काफिला रवाना होने की तैयारी कर रहा था, तभी इनमें से एक हेलिकॉप्टर में तकनीकी समस्या आ गई। इस वजह से वह उड़ान नहीं भर सका। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और उनके काफिले के अन्य सदस्य बाकी हेलिकॉप्टर से अपने अगले गंतव्य के लिए रवाना हो गए। जबकि खराबी वाला हेलिकॉप्टर हेलीपैड पर ही खड़ा रह गया।



मरम्मत के लिए पहुंची तकनीकी टीम, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

हेलिकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए तकनीकी कर्मचारी मौके पर पहुंच चुके हैं। वे विमान की मरम्मत में जुटे हैं, ताकि उसे दोबारा उड़ान के लिए तैयार किया जा सके। इस बीच मैसूरु स्थानीय पुलिस ने हेलीपैड के आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी है और वहां खड़े हेलिकॉप्टर की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली है। मैसूरु नगर निगम के कर्मचारियों को भी मौके पर तैनात किया गया है।

सूरत में कपड़ों के गोदाम में लगी भीषण आग, दूर तक दिखा काले धुएं का गुबार

एजेंसी। सूरत

सूरत के खरवासा इलाके में शनिवार को कपड़ों के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं और आग बुझाने का काम चल रहा है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस बीच, एक अलग घटना में, बावला-अहमदाबाद रोड पर स्थित लीमैक कंपनी के प्लांट में भीषण आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने 7 नवंबर को यह जानकारी दी।

असम: काजीरंगा हादसे के मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 9 लाख

एजेंसी। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि काजीरंगा में एक दिन पहले हुई मिनीबस और ट्रक की टक्कर में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 9 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

सरमा ने क्या बताया?

काजीरंगा के रंगाजन में एनएच-715 पर दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद सरमा ने बताया कि इस अनुग्रह राशि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 2 लाख रुपये का मुआवजा भी शामिल है। शुक्रवार को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास दो वाहनों की आमने-सामने की टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कई कॉलेज के छात्र थे, जो अपनी क्लास से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। सरमा ने पत्रकारों को बताया, 'मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच लाख रुपये, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से 2 लाख रुपये और प्रधानमंत्री की ओर से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद जब शव उनके घरों तक पहुंच जाएंगे, तो मंत्री खुद मृतकों के परिजनों के घर जाकर उन्हें यह राशि सौंपेंगे। सरमा ने कहा, 'किसी भी रकम से इस नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती, खासकर उन परिवारों के लिए जिन्होंने एक से अधिक सदस्य खो दिए हैं।'

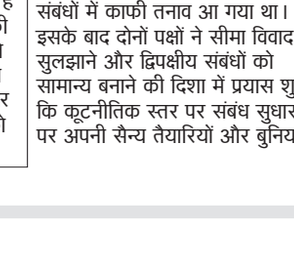

नई विश्व व्यवस्था में बढ़ेगी देशों के बीच प्रतिस्पर्धा, राष्ट्रीय हित होंगे सर्वोपरि: जयशंकर

विदेश मंत्री बोले, दुनिया में बढ़ेगी बहुध्रुवीय व्यवस्था, गठबंधन पहले जैसे मजबूत नहीं रहेंगे, भारत को आत्मनिर्भरता और मैन्युफैक्चरिंग पर देना होगा जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्षों के बीच दुनिया एक नई बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इस बदलती वैश्विक व्यवस्था में देशों के बीच प्रतिस्पर्धा और तेज होगी तथा राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होंगे। दुनिया में स्वतंत्र रूप से फैसले लेने वाले केंद्रों की संख्या बढ़ेगी और देशों के बीच गठबंधन पहले की तरह मजबूत नहीं रहेंगे। भविष्य में अंतरराष्ट्रीय संबंधों का स्वरूप भी अधिक लेन-देन आधारित होगा। एक प्रमुख समाचार पत्र के समिट को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि दुनिया इस समय बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। आने वाले समय में वैश्विक परिस्थितियां अधिक जटिल और अनिश्चित होंगी। विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष, तनाव और अस्थिरता का असर देशों की नीतियों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसे अराजकता के रूप में नहीं देखना चाहिए, लेकिन यह निश्चित है कि देश अपने राष्ट्रीय हितों को अधिक मजबूती से प्राथमिकता देंगे।



आत्मनिर्भरता ही विदेश नीति की बुनियादी ताकत

भारत को बदलती वैश्विक परिस्थितियों के लिए तैयार रहने की जरूरत बताते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि देश को अपनी आंतरिक क्षमताएं मजबूत करनी होंगी। इसके लिए आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी योजनाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत घरेलू क्षमताओं के बिना प्रभावी विदेश नीति नहीं अपनाई जा सकती। भारत को आर्थिक, औद्योगिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनना होगा, ताकि बदलती दुनिया में अपने हितों की रक्षा कर सके।

मैन्युफैक्चरिंग में भारत ने गंवाए कई दशक

जयशंकर ने भारत के औद्योगीकरण और विनिर्माण क्षेत्र पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भारत 1960 के दशक से लेकर 1990 के दशक के अंत तक मैन्युफैक्चरिंग के अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा सका। इस दौरान हुए सुधार भी काफी हद तक पिछली गलतियों को सुधारने तक सीमित रहे। उनके मुताबिक, ये भारत के लिए कई खोए हुए दशक साबित हुए। उन्होंने कहा कि अब भारत को खुद को एक मजबूत मैन्युफैक्चरिंग शक्ति के रूप में विकसित करना होगा। इसके साथ ही आधुनिक दौर की जरूरतों के अनुरूप तकनीक और औद्योगिक क्षमताएं हासिल करनी होंगी।

अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा से बढ़ रही वैश्विक अस्थिरता

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टकराव को वैश्विक अस्थिरता की प्रमुख वजह बताते हुए जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों की प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। हालांकि, पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्षों के पीछे केवल अमेरिका-चीन तनाव को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इसके कई दूसरे कारण भी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण कई देश दोनों शक्तियों के बीच फंस जाते हैं।

अमेरिकी चुनाव से संबंधों पर पड़ेगा असर

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव के नतीजों का भारत-अमेरिका संबंधों पर संभावित प्रभाव पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि दूसरे देशों की घरेलू राजनीति पर सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने माना कि चुनाव के बाद कुछ बदलाव जरूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, सुरक्षा और तकनीक जैसे कई क्षेत्रों में व्यापक सहमति है। इन मुद्दों पर दोनों देश लगातार मिलकर काम कर रहे हैं।

व्यापार समझौते पर अंतिम दौर में बातचीत

प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जयशंकर ने कहा कि दोनों देश अधिकांश मुद्दों को सुलझा चुके हैं और अब बातचीत अंतिम दौर में है। कुछ मुद्दे अभी बाकी हैं, जिन पर चर्चा जारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि समझौते को जल्द अंतिम रूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बचे हुए कई मुद्दे भारत की तरफ से नहीं हैं और इनमें से ज्यादातर बदलाव अमेरिकी पक्ष की ओर से हुए हैं। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समझौता संतुलित और देश के हित में हो। इससे भारतीय उत्पादों को दूसरे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले अमेरिकी बाजार में बेहतर अवसर मिलने चाहिए। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका वर्ष 2025 की शुरुआत से प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसका उद्देश्य टैरिफ से जुड़े विवादों को सुलझाना और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना है।

चीन सीमा पर बढ़ानी पड़ी सैनिकों की तैनाती

चीन के साथ सीमा विवाद पर विदेश मंत्री ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति पहले से अधिक सक्रिय हो गई है। इसके चलते भारत को सीमा पर लगातार और पहले की तुलना में अधिक सैनिक तैनात करने पड़ रहे हैं। वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवां घाटी में हुई हिंसक झड़पों के बाद भारत ने अपनी सैन्य क्षमताओं और सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सीमा पर कई सुरंगों, पुलों और हवाई पट्टियों का निर्माण हुआ है। अब इस तरह की परियोजनाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण ही सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती संभव हो सकी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा निर्माण कार्यों से भविष्य में भी सैनिकों की तैनाती बनाए रखने में मदद मिलेगी।

चार साल के तनाव के बाद संबंध सुधारने की कोशिश



भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय तक सैन्य गतिरोध बना रहा। वर्ष 2020 की गलवां घाटी की घटना के बाद दोनों देशों के संबंधों में काफी तनाव आ गया था। इसके बाद दोनों पक्षों ने सीमा विवाद को सुलझाने और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में प्रयास शुरू किए। जयशंकर के बयान से स्पष्ट है कि कूटनीतिक स्तर पर संबंध सुधारने की कोशिशों के बावजूद भारत सीमा पर अपनी सैन्य तैयारियों और बुनियादी ढांचे को मजबूत रखने के पक्ष में है।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर विधायक लक्ष्मण मीणा की कुशलक्षेम जानी



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर स्थित राजस्थान हॉस्पिटल पहुंचकर बस्सी विधायक लक्ष्मण मीणा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से उनके उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने विधायक के परिजनों से भी मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उन्हें ढांढस बंधाया।

आईआईटीएफ- 2026

प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान मंडप का किया उद्घाटन



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में शुरू हुए 15 दिवसीय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में शनिवार को राज्य के प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने राजस्थान मंडप का विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर राजस्थान मंडप के निदेशक हर्ष शर्मा ने रोहित कुमार को मंडप का अवलोकन करवाते हुए बताया कि इस वर्ष राजस्थान पार्टनर स्टेट है और राजस्थान मण्डप को 'विकास और विरासत' की थीम के अनुरूप तैयार किया गया है।

रोहित कुमार ने राजस्थान मण्डप के सभी स्टॉल का अवलोकन कर राजस्थानी कलाकारों और हुनरबंद कारीगरों का उत्साह बढ़ाया। मंडप निदेशक ने बताया कि मेले में मण्डप को उद्योग व पर्यटन विभाग, रीको, बीआईपी, खादी, राजीविका की सहभागिता से और भी समृद्ध बनाया गया है। यहां राजस्थान के पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प उत्पादों के स्टॉल भी लगाई गई हैं।

मेले में राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा लगभग एक हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में राजस्थान मंडप का निर्माण किया गया है। इसमें राजस्थान की औद्योगिक प्रगति, सांस्कृतिक विविधता, कला, शिल्प, पर्यटन और निवेश की संभावनाओं की विशिष्ट झलक देखने को मिल रही है।

21 नवंबर को होगा राजस्थान दिवस समारोह

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान इस वर्ष 21 नवंबर को राजस्थान दिवस मनाया जाएगा, जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा।

गांव–गांव तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की तैयारी, आशा-एएनएम को मिला विशेष प्रशिक्षण

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग जयपुर 'ब' के अधीन संचालित आयुष्यान आरोग्य मंदिर के अन्तर्गत कार्यरत आशा एएनएम नर्स-कम्पाउण्डर आयुष मित्र की दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ डॉ. राजेश शर्मा एवं अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद विभाग जयपुर संभाग डॉ. बत्तीलाल बैरवा ने भगवान धन्वन्तरि की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

विभाग के उपनिदेशक डॉ. मुखत्यार सिंह ने बताया शिविर में प्रतिभागियों को आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर इनके द्वारा किया जाने वाले कार्यों की योजना का आमुखीकरण, प्रकृति परीक्षण की आवश्यकता, सीबीएसी फॉर्म, लेबोरेट्री टेस्ट, सामाजिक एवं व्यक्तिगत स्वच्छता, आयुष में रेफरल सिस्टम, आयुष मेडिसिन किट, एनसीडीएस की स्क्रीनिंग, घरेलु उपचार एवं औषधीय पादपों का उपयोग, आयुष आईईसी एवं योग एवं स्वस्थ जीवनशली रिपोर्टिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि डॉ. सत्यनारायण शर्मा उप निदेशक जयपुर 'अ', डॉ. घनश्याम मीणा उप निदेशक कैम्प कार्यालय नरेन्द्र शर्मा, एडवोकेट, डॉ. ऋषि तिवाड़ी, डॉ. ऋचा तिवारी, डॉ. विजय कुमार, डॉ. ज्योति यादव, डॉ. कृति शर्मा व डॉ. संतोष कुमारी एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवाहर सर्किल में आमजन के साथ की मॉर्निंग वॉक

बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं से किया संवाद, समस्याएं सुनी एवं सुझाव भी लिए

मंदिर में दर्शन कर की प्रदेश की सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए कामना

प्रधानमंत्री के 'फिट इंडिया' अभियान को बताया स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण का आधार

राजस्थान की राजनीति





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के जवाहर सर्किल में आमजन के साथ मॉर्निंग वॉक की। इस दौरान उन्होंने प्रातः भ्रमण कर रहे बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं से आत्मीय मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया और विभिन्न विषयों पर संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं एवं सुझाव भी लिए। वहीं, बच्चों से उनकी शिक्षा एवं दिनचर्या की जानकारी लेते हुए स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया और उन्हें चॉकलेट भी वितरित की। मॉर्निंग वॉक के दौरान उन्होंने मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि शांति और खुशहाली के लिए कामना की। मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ छाछ पीकर स्वस्थ खान-पान अपनाने एवं स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर 'वोकल फॉर लोकल' अभियान में भागीदारी निभाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फिट इंडिया अभियान स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण का आधार है। जब हम शारीरिक रूप से स्वस्थ होंगे, तो हमारी कार्यक्षमता बढ़ेगी और हम अपने कार्यों को अधिक ऊर्जा एवं उत्साह के साथ कर सकेंगे। साथ ही, उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपने आसपास गंदगी नहीं होने देने तथा कहीं भी गंदगी दिखाई देने पर प्रशासन को सूचित कर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

'हर वर्ग के उत्थान एवं जनकल्याण के लिए सरकार कृतसंकल्पित'

मीडिया से रूबरू होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, किसान, मजदूर, पशुपालक, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित है। सरकार ने विगत तीन वर्षों में जनकल्याण की अनेक योजनाओं को धरातल पर उतारा है तथा लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होंने आमजन से नियमित व्यायाम, योगाभ्यास एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर मॉर्निंग वॉकर्स में भी काफी उत्साह देखने को मिला एवं उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण में 71.81 प्रतिशत मतदान

चारों पंचायत समितियों एवं जिला परिषद सदस्य पदों के लिए शांतिपूर्ण मतदान

तूंगा में सर्वाधिक 72.77 प्रतिशत तथा आंधी में 70.12 प्रतिशत मतदान

राजस्थान की राजनीति



जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले में चतुर्थ एवं अंतिम चरण में शनिवार को जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिले की चार पंचायत समितियों–बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी में पंचायत समिति सदस्य पदों के 82 निर्वाचन क्षेत्रों तथा जिला परिषद के 13 निर्वाचन क्षेत्रों में हुए मतदान में कुल 71.81 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) जयपुर संदेश नायक ने बताया कि चारों पंचायत समितियों एवं जिला परिषद के संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 4 लाख 7 हजार 280 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 2 लाख 92 हजार 452 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

पंचायत समिति-वार प्राप्त अंतिम आंकड़ों के अनुसार आंधी में कुल 91 हजार 16 मतदाताओं में से 63 हजार 817 ने मतदान किया, जो 70.12 प्रतिशत रहा। बस्सी में 1 लाख 29 हजार 159 मतदाताओं में से 93 हजार 462 ने मतदान किया तथा मतदान प्रतिशत 72.36 रहा। जमवारामगढ़ में 1 लाख 22 हजार 890 मतदाताओं में से 88 हजार 444 ने मताधिकार का प्रयोग किया, जहां मतदान प्रतिशत 71.97 दर्ज किया गया। इसी प्रकार तूंगा में कुल 64 हजार 215 मतदाताओं में से 46 हजार 729 ने मतदान किया तथा यहां सर्वाधिक 72.77 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ।

मतदान के समयवार आंकड़ों के अनुसार प्रातः 10 बजे तक 15.25 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 34.56 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 51.28 प्रतिशत तथा सायं 6 बजे तक 70.60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अंतिम आंकड़ों के अनुसार मतदान प्रतिशत 71.81 रहा।

उल्लेखनीय है कि चतुर्थ चरण के तहत बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों में पंच एवं सरपंच पदों के लिए 15 नवंबर को प्रातः 8 बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक नामांकन होंगे तथा 16 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी। उपसरपंच का चुनाव 17 नवंबर को होगा। सभी चरणों के जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों की मतगणना 20 नवंबर को प्रातः 8 बजे से की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिनभर विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर लिया मतदान व्यवस्थाओं का जायजा

चतुर्थ चरण में बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए हुआ मतदान

मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण, अधिकारियों एवं मतदान कार्मिकों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव के तहत जयपुर जिले में शनिवार को चतुर्थ चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतदान संपन्न हुआ। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) जयपुर संदेश नायक ने दिनभर बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने खोखावाला, भांगड़ कला, सहित चारों पंचायत समितियों के विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया। वहां तैनात मतदान कार्मिकों से निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं, मतदान प्रक्रिया के संचालन तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना का निरीक्षण किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने चतुर्थ चरण के मतदान को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने में सहयोग देने के लिए बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों के समस्त मतदाताओं, आमजन, जनप्रतिनिधियों एवं निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों और कार्मिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं सक्रिय भागीदारी से मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

उल्लेखनीय है कि चतुर्थ चरण के तहत इन चारों पंचायत समितियों में पंच एवं सरपंच पदों के लिए 16 नवंबर को मतदान होगा तथा उपसरपंच का चुनाव 17 नवंबर को होगा।

बाल दिवस पर बच्चों ने सड़क सुरक्षा रैली निकालकर दिया यातायात नियमों की पालना का संदेश

हेलमेट, सीट बेल्ट एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने के प्रति किया जागरूक

राजस्थान की राजनीति



जयपुर। बाल दिवस एवं 15 नवंबर को राज्य सड़क सुरक्षा दिवस तथा विश्व सड़क दुर्घटना पीड़ित स्मरण दिवस के उपलक्ष्य में यातायात पुलिस जयपुर और एक निजी विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में भगवान दास रोड एवं आसपास सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली आयोजित की गई। रैली में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न संदेशों के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों की पालना और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रशासन एवं यातायात) प्रदीप मोहन, पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रवीण नायक नूनावत के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल दिवस के अवसर पर बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों को स्मरण कर आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना रहा। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर आमजन एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने का संदेश दिया। बच्चों ने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, कार में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने अपने संदेशों के माध्यम से बताया कि यातायात नियमों की अनदेखी सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है तथा थोड़ी सी सावधानी कई अनमोल जीवन बचा सकती है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात दक्षिण श्रीमती सुनीता मीणा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी। उन्होंने आमजन से यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। यातायात नियमों की पालना कर स्वयं के साथ दूसरों का जीवन भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनजातीय गौरव दिवस पर शुभकामनाएं

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। यह पहल जनजातीय समाज के राष्ट्र निर्माण में योगदान और गौरवशाली विरासत का सच्चा सम्मान है।

उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने पूरे देश में जनक्रांति की लौ जलाई। उन्होंने समाज सुधारक के रूप में जनजातीय समाज को नशा एवं जातीय संघर्ष जैसी बुराइयों को त्यागने और लोगों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित किया। भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज ने विश्व को जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर जीना सिखाया है। राज्य सरकार इन परम्पराओं को संजोने के साथ ही जनजाति कल्याण के लिए कृत-संकल्पित है।

आईएनएस चिल्का में 3,358 अग्निवीर और नाविकों की पासिंग आउट परेड, 142 महिलाएं शामिल

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा के आईएनएस चिल्का में भव्य पासिंग आउट परेड (पीओपी) आयोजित की गई, जिसमें रिकॉर्ड 3,358 प्रशिक्षुओं ने अपना गहन प्रारंभिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसमें 142 महिला प्रशिक्षु भी शामिल थीं। इस समारोह के साथ भारतीय नौसेना के 2,756 अग्निवीरों, 286 चिकित्सा सहायकों और भारतीय तटरक्षक बल के 316 नाविकों ने 16 सप्ताह का कठोर प्रशिक्षण पूरा किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने इस पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया, जबकि दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। प्रशिक्षण के दौरान, प्रशिक्षुओं को शैक्षणिक अध्ययन, शारीरिक फिटनेस, तैराकी, और नेतृत्व विकास सहित विभिन्न गतिविधियों में निपुण बनाया गया। इस दौरान अनुशासन, टीम भावना तथा नौसेना के मूल मूल्यों - कर्तव्य, सम्मान और साहस पर विशेष जोर दिया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नचिकेता सनासम को एसएसआर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु, अरबाज अमीन को एमआर श्रेणी में और दीक्षा को समग्र योग्यता सूची में सर्वश्रेष्ठ महिला प्रशिक्षु चुना गया। अमर शक्ति एम को सर्वश्रेष्ठ नाविक जीडी तथा अर्पित सांगवान को सर्वश्रेष्ठ नाविक डीबी का सम्मान मिला। इस यादगार अवसर पर युवा प्रशिक्षुओं के परिवारों ने भी भव्य परेड का अवलोकन किया।

पाकिस्तानी एजेंट को साझा कीं गोपनीय सैन्य सूचनाएं

- वायुसेना विंग कमांडर पर देशद्रोह का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर पर देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय सैन्य जानकारी और युद्ध योजनाओं से संबंधित दस्तावेज पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के साथ साझा करने का गंभीर आरोप लगा है। दिल्ली पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र (चार्जशीट) में इस चौंकाने वाले खुलासे ने देश की सुरक्षा एजेंसियों को हैरान करने के साथ-साथ सतर्क कर दिया है। आरोप है कि यह अधिकारी कथित तौर पर हनीट्रैप का शिकार हुआ था और उसे अश्लील तस्वीरों के बदले देश की सुरक्षा से जुड़ी अत्यधिक संवेदनशील जानकारियां साझा करने के लिए मजबूर किया गया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हुआ। आरोपपत्र के अनुसार, विंग कमांडर ने व्हाट्सएप के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंट को सैन्य अभियानों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं, युद्ध की रणनीतियों से जुड़े दस्तावेज, ड्रोन तकनीक से संबंधित विस्तृत जानकारियां और सैन्य तैनाती का विस्तृत ब्योरा भेजा था। इसमें अग्रिम मोर्चे के लड़ाकू विमानों की गतिविधियों और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों के भौगोलिक निर्देशांक भी शामिल थे, जो दुश्मन देश के हाथों में जाने से बड़ी क्षति पहुंचा सकते हैं। इन सूचनाओं को किसी विदेशी ताकत के साथ साझा करना न केवल देशद्रोह के समान माना जाता है बल्कि इसके अत्यंत गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिससे देश की सामरिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स से डिस्चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें बुधवार को सुबह की सैर के दौरान अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ मिनट तक बेहोश रहने के बाद उन्हें सुरक्षाकर्मी शुरुआत में घर ले गए थे, लेकिन बाद में एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में लाया गया, जहां हृदय रोग विभाग की देखरेख में उनकी जांच और उपचार किया गया। यह पिछले दो वर्षों में उनका सबसे लंबे समय तक बेहोश रहने का मामला था। इसके पहले वह जून 2025 में नैनीताल में एक कार्यक्रम के दौरान और इस साल जनवरी में दो बार अपने घर पर भी बेहोश हो चुके हैं। मार्च 2025 में सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एम्स के आईसीयू में भर्ती किया था, जहां उनकी एंजियोप्लास्टी भी की गई थी। धनखड़ ने अगस्त 2022 से जुलाई 2025 तक भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

मैं ओवैसी तेरे आंगन का...पवन खेड़ा ने एआईएमआईएम और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कसा तंज

चंद्रशेखर ने कांग्रेस और सपा को दिया था गठबंधन का प्रस्ताव

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद कांग्रेस ने निशाना साधना शुरू किया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने ओवैसी पर फिल्मी अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है, जिसका नाम है मैं ओवैसी तेरे आंगन का।



कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपनी टिप्पणी में पुरानी फिल्म मैं तुलसी तेरे आंगन की का जिक्र कर कहा, वहां पिक्चर थी ना मैं तुलसी तेरे आंगन की, अब लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है मैं ओवैसी तेरे आंगन का। उनके इस बयान को ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

इसके पहले कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी भी दोनों नेताओं के गठबंधन को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के बीच हुआ सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के इशारे पर तैयार किया गया है। कांग्रेस सांसद तिवारी का दावा था कि बीजेपी इसतरह के गठबंधनों के जरिए विपक्षी दलों के वोटों में बंटवारा कराने की रणनीति अपनाती है।

उन्होंने महाराष्ट्र और बिहार के सीमांचल क्षेत्र का उदाहरण देकर कहा था कि इसतरह के राजनीतिक समीकरणों से चुनाव में वोटों का विभाजन होता है, जिसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है। गौरतलब है कि चंद्रशेखर आजाद ने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सामने भी गठबंधन का प्रस्ताव रखा था, लेकिन दोनों दलों के साथ सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद ओवैसी और चंद्रशेखर ने साथ आने का फैसला किया। अब इस गठबंधन ने प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है।

खरगोन में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप, खंडवा के कई इलाकों में भी हिली धरती

- भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था, कोई जनहानि नहीं

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के खरगोन, खंडवा और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार सुबह 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर खरगोन क्षेत्र में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र 21.59डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। ये स्थान धार जिले के धामनोद से करीब 69 किलोमीटर दक्षिण और इंदौर से करीब 129 किलोमीटर दक्षिण, दक्षिण पश्चिम में बताया गया है। भूकंप के झटके खरगोन जिले और खंडवा सहित आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए जाने की जानकारी सामने आई है। भूकंप की गहराई कम होने के कारण केंद्र के आसपास के इलाकों में कंपन महसूस होने की संभावना रही। खंडवा जिले और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ सालों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं जिसमें 12 सितंबर 2025 को सुबह करीब 8:46 बजे खंडवा में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र जमीन से करीब 5 किलोमीटर की गहराई पर था। 4 जून 2025 को रात करीब 9:57 बजे खंडवा, बुरहानपुर और नेपानगर में 3.8 तीव्रता के झटके महसूस किए गए थे। इसका केंद्र खंडवा से करीब 66 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश सीमा के पास, अमरावती के नजदीक बताया गया था। 21 जून 2024 को सुबह 9:04 बजे खंडवा और पंधाना क्षेत्र में 3.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इसका केंद्र खंडवा के आसपास जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

एनसीपी के दोनों गुटों का नहीं होगा विलय, एनडीए में शामिल हो सकते हैं शरद पवार

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलों पर अब विराम लग गया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, शरद पवार का गुट भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने का विकल्प तलाश रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) बिना किसी विलय के ही एनडीए का हिस्सा बनने की संभावनाएं खंगाल रहा है। पहले ऐसी खबरें थीं कि दोनों गुट फिर से एक हो सकते हैं, लेकिन मौजूदा संकेतों से यह संभावना क्षीण होती दिख रही है। शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को दिल्ली में इस बात को साफ करते हुए कहा, विलय की चर्चा उसी पल खत्म हो गई थी जब मेरे भाई (अजीत पवार) ने पार्टी छोड़ी थी। यह बयान विलय की संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगाता है।



सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार का गुट एक स्वतंत्र पार्टी के रूप में सत्ताधारी गठबंधन महायुति में शामिल होने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि अगर यह गुट एक अलग घटक दल के रूप में एनडीए में शामिल होता है, तो उन्हें केंद्र में कोई अहम मंत्रालय और राज्य मंत्रिमंडल में भी कोई पद मिल सकता है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के कार्यालय से पार्टी विधायकों को फोन किए गए हैं ताकि उनका रुख और मौजूदा राजनीतिक हालात पर उनकी राय जानी जा सके। इस बातचीत के जरिए यह समझने की कोशिश की जा रही है कि क्या दोनों गुटों का विलय होना चाहिए या अन्य विकल्प तलाशे जाने चाहिए। एनसीपी (अजीत गुट) की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार, दोनों गुटों के विलय के खिलाफ हैं। उन्होंने महायुति के प्रदेश नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और चेतावनी दी है कि विलय से उनके अपने गुट के अस्तित्व पर खतरा आ सकता है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि सुनेत्रा पवार ने यह भी संकेत दिया है कि अगर शरद पवार का गुट एक स्वतंत्र पार्टी के तौर पर एनडीए में शामिल होता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

कराची में 7 महीने से फंसे 6 नाविक, भारत ने पाकिस्तान से मांगी मदद

नई दिल्ली , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर पिछले करीब सात महीनों से छह भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। इनमें भारतीय मर्चेंट नेवी के एक चीफ ऑफिसर भी शामिल हैं। परिवारों की लगातार अपील और नाविकों की स्वदेश वापसी में हो रही देरी के बीच भारत सरकार ने अब पाकिस्तान से राजनयिक स्तर पर सहायता मांगी है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार, 13 नवंबर को इसकी पुष्टि की। हालांकि, इस मामले में एक बड़ी पेचीदगी सामने आई है। भारत सरकार के मुताबिक, नाविकों की परेशानी सीधे तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच किसी राजनीतिक या कूटनीतिक विवाद से नहीं, बल्कि जहाज की मालिक कंपनी और उसके कर्मचारियों के बीच व्यावसायिक विवाद से जुड़ी है। यही वजह है कि नाविकों की वापसी में लगातार देरी हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत सरकार वहां फंसे नाविकों, उनकी शिपिंग कंपनी और कंपनी के एजेंट के संपर्क में है। उन्होंने पाकिस्तान से कांसुलर सहायता का अनुरोध किए जाने की पुष्टि की। जायसवाल ने कहा, हम वहां मौजूद इन लोगों के संपर्क में हैं, साथ ही उनके नियोक्ता यानी पोत परिवहन कंपनी और उनके एजेंट से भी बातचीत कर रहे हैं, और इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने पाकिस्तानी पक्ष से राजनयिक सहायता का भी अनुरोध किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, छह भारतीय नाविकों का जहाज 17 अप्रैल 2023 (मूल खबर में 2026 दिया गया था, जिसे 2023 किया गया है) को कराची बंदरगाह पहुंचा था। इसके बाद जहाज एक विवाद में उलझ गया और चालक दल के सदस्य वहीं फंसकर रह गए। इस मामले में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मर्चेंट नेवी अधिकारी विनीत किशोर मिश्रा का नाम सामने आया है, जो ईरान की कंपनी के साथ काम कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, जहाज के कराची पहुंचने के बाद कंपनी और बंदरगाह अधिकारियों के बीच विवाद शुरू हो गया, जिसका खामियाजा जहाज पर मौजूद भारतीय कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मामले में एक अहम तकनीकी और कानूनी पहलू बताया। उनके मुताबिक, जहाज पर तैनात कर्मचारी अपनी ड्यूटी बीच में छोड़कर नहीं जा सकते। उनकी जगह दूसरे चालक दल की व्यवस्था करना जरूरी है। जब तक कंपनी नए कर्मचारियों को नहीं भेजती, तब तक मौजूदा चालक दल के सदस्यों के लिए जहाज से औपचारिक रूप से विदा लेना मुश्किल है। इस बीच, नाविकों के परिवारों ने उनकी स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। विनीत किशोर मिश्रा के परिवार का आरोप है कि जहाज पर मौजूद कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त कर लिए गए हैं, और बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई है। परिवारों के मुताबिक, जहाज पर संचार व्यवस्था बेहद खराब है, जिससे नाविकों की अपने परिजनों से नियमित बातचीत नहीं हो पा रही है। कई बार करीब 15 दिनों में एक बार ही उनसे संपर्क हो पाता है। सरकार इस मामले का समाधान निकालने की कोशिश कर रही है।



सीएम मान को पाकिस्तान के न्योते पर विदेश मंत्रालय की दो टूक, कहा- राष्ट्रीय नीति का पालन करें सभी

लाहौर में विश्व पंजाबी सम्मेलन का मुख्य अतिथि बनने का मिला निमंत्रण

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में होने वाले 'विश्व पंजाबी सम्मेलन' में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किए जाने पर विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दूसरे देशों के साथ संबंधों को लेकर भारत की स्पष्ट राष्ट्रीय नीति है और सभी से इसका पालन करने की अपेक्षा की जाती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश जाने वाले जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों को राजनीतिक मंजूरी देने के मामले में मंत्रालय निर्धारित प्रक्रिया के तहत आकलन करता है और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को लेकर भारत का रुख सभी के सामने स्पष्ट है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब विधानसभा के सदस्यों को पाकिस्तान आने का औपचारिक तथा मौखिक निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा कि यह निमंत्रण पाकिस्तान पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की ओर से भी दिया गया है। सम्मेलन लाहौर में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

एफएटीएफ बैठकों में भारत की सक्रिय भागीदारी- जायसवाल ने बताया कि भारत ने पेरिस में आयोजित वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की पूर्ण बैठक और कार्य समूह की बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि एफएटीएफ अवैध वित्तीय गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करता है। भारत ने इन बैठकों में मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद के वित्तपोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के लिए होने वाली फंडिंग को रोकने वाले वैश्विक तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से भाग लिया।

दिल्ली के प्रदूषण में बायोमास और कार्बनिक एयरोसोल की 50.8 फीसदी रही हिस्सेदारी

-आईआईटीएम की रिपोर्ट से हुआ खुलासा, धुआं प्रदूषण का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा

लखनऊ , एजेंसी। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के प्रदूषण के स्रोतों के आकलन के मुताबिक बायोमास जलाना और द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल गुरुवार को दिल्ली के वायु प्रदूषण के सबसे बड़े कारण रहे। इन दोनों में से प्रत्येक का शहर के कुल प्रदूषण में 25.4 फीसदी योगदान रहा। वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा, जिसका योगदान 17 फीसदी था।

वहीं, द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसोल का प्रदूषण में योगदान 11.8 फीसदी रहा। द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसोल में नाइट्रेट का योगदान 4.9 फीसदी, अमोनिया का 4.1 फीसदी और सल्फेट का 2.9 फीसदी रहा। द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल हवा में मौजूद बेहद छोटे ठोस कणों या तरल बूंदों को कहते हैं, जो सीधे किसी स्रोत से उत्सर्जित नहीं होते, बल्कि वायुमंडल में कई गैसों के बीच होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनते हैं। मिश्रित ईंधन दहन से 10.7 फीसदी प्रदूषण हुआ, जबकि पटाखों का योगदान 7.1 फीसदी रहा। नगरपालिका के कचरे और प्लास्टिक और रबर युक्त कचरे को जलाने से 1.5 फीसदी प्रदूषण हुआ। वहीं, खनिज धूल और राख का योगदान 0.9 और औद्योगिक उत्सर्जन का 0.2 फीसदी रहा।

विशेषज्ञों ने बताया कि द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल वायुमंडल में होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनते हैं। इनका स्रोत कुछ उद्योगों, डीजल और पेट्रोल वाहनों तथा बायोमास जलाने से होने वाला उत्सर्जन हो सकता है। दिल्ली में गुरुवार को धुंध की मोटी भूरी परत में लिपटी रही। इससे शहर की इमारतें और दूर तक का नजारा धुंधला नजर आया। हवा की गुणवत्ता और खराब होने से लोगों को खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। स्वच्छ हवा के बुनियादी अधिकार की मांग को लेकर शहरभर में विरोध प्रदर्शन जारी रहने के बीच दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार के 313 से बढ़कर गुरुवार को 350 पर पहुंच गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है।

दिवाली के बाद प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत रहे पटाखों का योगदान 7.1 फीसदी रह गया। सोमवार को दिल्ली के कुल प्रदूषण में पटाखों का योगदान 71.1 फीसदी और मंगलवार को 29.8 फीसदी था। बुधवार को यह 7.4 फीसदी रहा। दिल्ली के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के मुताबिक शुक्रवार को परिवहन क्षेत्र से होने वाले प्रदूषण का योगदान बढ़कर 18.5 फीसदी होने का अनुमान है। इसके शुक्रवार को प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत बन सकता है।



परिसीमन और महिला आरक्षण कानून पास करने के लिए विशेष सत्र बुला सकती हैं मोदी सरकार

केंद्रीय मंत्रियों का दावा पास करने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्र सरकार संसद का एक छोटा विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य परिसीमन और बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण कानून से जुड़े विधेयकों को जल्द से जल्द पारित कराना है। यह संभावित सत्र आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित किया हो सकता है, जो 30 नवंबर या 4 दिसंबर को शुरू होने की संभावना है।बीजेपी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार के पास अभी भी एक छोटा विशेष सत्र आयोजित करने के लिए पर्याप्त समय है। एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में संकेत दिया था कि विधायी पैकेज को पारित करने के लिए दो विकल्प हैं.....या एक विशेष सत्र में या फिर शीतकालीन सत्र में पारित कराया जाएं। हालांकि, पहले बीजेपी के सहयोगी दलों को संकेत दिया गया था कि इस शीतकालीन सत्र में पारित करने की अधिक संभावना है।

इन विधेयकों को पारित कराना मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले लागू करने की दिशा में आखिरी मौका हो सकता है। 2029 में ही लोकसभा चुनाव होने हैं। इस विधायी पैकेज में एक संविधान संशोधन विधेयक प्रमुख है, जो कि परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए एक जटिल संख्याबल की जरुरत होती है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अलग-अलग पारित करना होता है, जिसके लिए कुल सदस्यता के बहुमत के साथ-साथ मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन की अनिवार्य शर्त होती है। इसतरह के विधेयकों को संयुक्त बैठक के जरिए पारित नहीं किया जा सकता। इसी जटिलता के चलते, अप्रैल में संख्याबल की कमी के कारण एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया था।

वर्तमान संख्याबल पर और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में एनडीए के पास 320 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में यह संख्या 155 है। यदि सभी सांसद मतदान में भाग लेते हैं, तब दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करने के लिए सरकार को लोकसभा में 360 मतों (जो वर्तमान संख्या से 40 कम हैं) और राज्यसभा में 161 मतों (जो 6 कम हैं) की आवश्यकता होगी।

हालांकि, एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने आत्मविश्वास जताकर दावा किया है कि मोदी सरकार के पास आवश्यक आंकड़े से लगभग 15 वोट अधिक हैं। केंद्र सरकार विपक्षी दलों की चिंताओं को दूर करने और उनका समर्थन या कम से कम मतदान से गैरहाजिरी सुनिश्चित करने की कोशिश में है।

संसदीय प्रक्रिया के अनुसार, 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद से अब तक उसका सत्रावसान नहीं हुआ है। इस स्थिति का लाभ उठाते हुए, सरकार को सत्र बुलाने के लिए 14 दिनों के अनिवार्य नोटिस की आवश्यकता नहीं होगी, और वह किसी भी दिन बैठक बुला सकती है। यह विशेष सत्र के आयोजन की संभावना को और प्रबल करता है, जहां सरकार इन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने माता वैष्णो देवी में की पूजा-अर्चना, क्षेत्र में सुरक्षा पर विशेष ध्यान

कटरा, एजेंसी । जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हाल ही में रियासी जिले में स्थित त्रिकुटा पहाड़ियों पर माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा कर पूजा-अर्चना की। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में, उनका यह दौरा क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और तीर्थयात्रियों की रिकॉर्ड संख्या के बीच विशेष महत्व रखता है। उपराज्यपाल की यात्रा से ठीक एक दिन पहले, पुलिस उपमहानिरीक्षक (उधमपुर-रियासी रेंज) स्वर्ण सिंह कोतवाल ने रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुकुंद तिबरेवाल के साथ श्रद्धालुओं के आधार शिविर कटरा का दौरा किया था। उन्होंने कटरा से भवन तक जाने वाले दोनों यात्रा मार्गों का पैदल निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का गहन जायजा लिया था। इस बीच, माता वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ रही है।

सैम पित्रोदा ने कहा, मेरा फोन और लैपटॉप टैप किया जा रहा... मोदी खुद स्कूड्राइवर लेकर ऐसा नहीं कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अंकल सैम पित्रोदा ने हाल ही में दावा किया है कि उनका फोन और लैपटॉप टैप किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद स्कूड्राइवर लेकर ऐसा नहीं कर रहे हैं। यह बयान राहुल गांधी के उन आरोपों के बीच आया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अपना मोबाइल फोन टैप करने का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता पित्रोदा ने बताया कि उनकी टैपिंग के पीछे किसका हाथ है।

पित्रोदा ने जोर दिया कि निजी रिश्तों को राजनीति से अलग रखना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा उनके और उनकी पत्नी के प्रति गर्मजोशी और अपनापन रखते हैं। उनका मानना है कि वे किसी से असहमत होने के बावजूद उसके साथ कॉफी पी सकते हैं, यह दिखाता है कि व्यक्तिगत संबंध और राजनीतिक व वैचारिक मतभेद अलग-अलग हैं। पित्रोदा ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके निजी संबंध अच्छे हो सकते हैं, लेकिन उनके राजनीतिक और वैचारिक मतभेद कायम हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने 12 नवंबर को दिवाली और गुजराती नववर्ष के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई शुभकामनाओं का जिक्र किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पित्रोदा को सैम भाई कहकर संबोधित किया था और उनकी पत्नी अंजना बेन के लिए भी सुखद व स्वस्थ वर्ष की कामना की थी। इसके जवाब में पित्रोदा ने भी मोदी को नरेंद्र भाई कहकर धन्यवाद दिया और उनके अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना की थी। पित्रोदा ने साफ किया कि शुभकामनाओं का यह आदान-प्रदान किसी भी तरह से कांग्रेस और भाजपा के बीच संबंधों को सुधारने का प्रयास नहीं था, बल्कि यह पूरी तरह से सैम पित्रोदा और नरेंद्र मोदी के बीच एक निजी बातचीत थी।



सम्पादकीय

महिला आरक्षण की आस



संसद के मानसून सत्र का तीन माह बाद भी सत्रावसान न किए जाने से जिन चर्चाओं को खूब बल मिला, उनमें सबसे प्रमुख यही रही कि सरकार कभी भी विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण लागू करने वाले कानून में संशोधन वाले विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक को भी पारित करने का प्रयत्न कर सकती है। अब इसके आसार और बढ़ते दिख रहे हैं। इसका एक कारण तो यह है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव निकट आ गए हैं और दूसरे, महिला आरक्षण वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2029 से पहले तभी लागू किया जा सकता है, जब नई जनगणना के नतीजों की प्रतीक्षा न की जाए।

इस अधिनियम में यह प्रविधान था कि महिला आरक्षण नई जनगणना के हिसाब से होने वाले परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा, लेकिन कोविड महामारी के कारण जनगणना में जो विलंब हुआ, उसके चलते लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण 2029 से पहले लागू करना संभव नहीं इसे संभव बनाने के लिए ही सरकार ने कुछ माह पहले विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिश की थी, लेकिन विपक्ष के असहयोग के कारण वह इसमें नाकाम रही। हालांकि सरकार ने विपक्ष को संतुष्ट करने के लिए सभी राज्यों में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था, ताकि हर राज्य का लोकसभा में प्रतिनिधित्व प्रतिशत वही रहे और महिला आरक्षण लागू करने का सभी दलों का वचन भी पूरा हो जाए। विपक्ष को यह अलिखित प्रस्ताव रास नहीं आया। चूंकि अब सरकार सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव को विधेयक का हिस्सा बनाने के संकेत दे रही है, इसलिए वह महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक को पारित कराने में सफल हो सकती है। ऐसा होने का एक कारण विपक्षी गठबंधन में बिखराव और टूट-फूट होना भी है। जहां तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सदस्य उससे अलग हो चुके हैं, वहीं आम आदमी पार्टी के आठ राज्यसभा सदस्य भी भाजपा में आ चुके हैं।

इसके अलावा द्रमुक विपक्षी गठबंधन से बाहर आ गया है और उसे सभी राज्यों की 50 या 33 प्रतिशत लोकसभा सीटें बढ़ाने की सरकार की पहल में न तो कोई खामी दिख रही है और न ही तमिलनाडु का राजनीतिक अहित। 50 के स्थान पर 33 प्रतिशत सीटों का प्रस्ताव इसलिए सबको रास आ सकता है, क्योंकि महिला आरक्षण के तहत इतने प्रतिशत ही सीटें बढ़नी हैं। जो भी हो, विपक्षी दलों को यह विस्मृत नहीं करना चाहिए कि 2023 में महिला शक्ति वंदन अधिनियम संसद के दोनों सदनों से लगभग सर्वसम्मति से पारित हुआ था। ऐसे में विपक्षी दलों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे देश की आधी आबादी को दी गई अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने करने के लिए आगे आएं।



गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं- विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं। भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और



चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है।

आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी- जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की?

संसद का गणित बदलते ही देश के राजनीतिक समीकरण बदलने की तैयारी, इस बार पास हो सकते हैं महिला आरक्षण, परिसीमन बिल!

महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर देश की राजनीति के केंद्र में आने वाला है। खबरें हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है। चर्चा है कि दो से तीन दिनों का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। सरकार की कोशिश है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता साफ हो जाए। लेकिन इस बार इस पूरी कवायद के पीछे केवल महिला आरक्षण लागू कराने का मकसद नहीं है, बल्कि इसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ भी हैं।

हम आपको याद दिला दें कि इसी साल जब पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने थे, तब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण को जल्द लागू करने और परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। सरकार चाहती थी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता खुल जाए। लेकिन विपक्ष ने परिसीमन के मुद्दे को लेकर सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया और 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका। विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े।

बीजेपी ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने पक्ष में राजनीतिक हथियार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी ने देशभर में यह संदेश देने की कोशिश की कि महिला आरक्षण के रास्ते में विपक्ष बाधा बन रहा है। बीजेपी का राजनीतिक नैरेटिव साफ था कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस ऐतिहासिक पहल को रोकने में जुटे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर असम और तमिलनाडु तक चुनावी विमर्श में इस मुद्दे को विपक्ष के खिलाफ इस्तेमाल किया गया और नतीजे भाजपा के पक्ष में रहे। असम, पश्चिम बंगाल में भाजपा की अपने बलबूते सरकार बनी तो साथ ही पुडुचेरी में एनडीए की सरकार वापस आ गयी।

अब उसी तरह की राजनीतिक लड़ाई एक बार फिर सामने है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार नजरें 2027 के विधानसभा चुनावों पर हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश का चुनाव सबसे महत्वपूर्ण है, जहां बीजेपी के सामने सत्ता बरकरार रखने की चुनौती होगी। ऐसे में चुनाव से कुछ महीने पहले महिला आरक्षण का मुद्दा फिर से गरमाना बीजेपी के लिए एक बड़ा राजनीतिक अवसर बन सकता है।

देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू संसद का गणित है। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत की जरूरत होती है। लोकसभा में दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन हासिल करना अनिवार्य है। सरकार से जुड़े सूत्रों का दावा है कि इस बार उसके पास जरूरी संख्या से 15 से 18 वोट अधिक हैं। यानी अप्रैल में जो विधेयक गिर गया था, उसे इस बार पारित कराने का भरोसा सरकार को है।

देखा जाये तो अप्रैल में जब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने की कोशिश की थी, तब संसद का राजनीतिक गणित आज जैसा नहीं था। उस समय तृणमूल कांग्रेस एकजुट थी और उसके सांसद विपक्ष के साथ खड़े थे। लेकिन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी में विभाजन और उसके अधिकांश



सांसदों के नया गुट बनाकर एनडीए के साथ आने से लोकसभा का गणित बदल गया है। इसी तरह आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का भी एक बड़ा धड़ा बीजेपी के साथ आ चुका है। यानी अप्रैल में जिन दलों और सांसदों को विपक्ष की ताकत माना जा रहा था, नवंबर आते-आते उनमें से कई के राजनीतिक समीकरण बदल चुके हैं। इतना ही नहीं, बीजेपी ने परिसीमन विधेयक को लेकर डीएमके की चिंताओं को दूर करने की भी कोशिश की है। बताया जा रहा है कि विधेयक में डीएमके की आपत्तियों का समाधान किया गया है। चूंकि डीएमके अब इंडिया गठबंधन से बाहर आ चुकी है, इसलिए उसके रुख में बदलाव और विधेयक को समर्थन देने की संभावनाओं को भी खारिज नहीं किया जा रहा। इसके अलावा कई अन्य दलों के सांसदों की ओर से क्रॉस वोटिंग की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। यही वजह है कि अप्रैल में जहां सरकार के सामने दो-तिहाई बहुमत जुटाने की बड़ी चुनौती थी, वहीं नवंबर में वह पहले से कहीं अधिक आश्वस्त दिखाई दे रही है। अगर इन राजनीतिक बदलावों का असर मतदान में दिखाई देता है तो विपक्ष के लिए पिछली बार की तरह विधेयक को रोक पाना आसान नहीं होगा।

साथ ही संसद के मानसून सत्र का सत्रावसान न होना भी इस पूरी रणनीति का अहम संकेत है। मोदी सरकार ने 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित तो कर दिया था, लेकिन राष्ट्रपति से उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं कराया। इसके बाद से ही राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चलती रही है कि सरकार किसी भी समय संसद की विशेष बैठक बुला सकती है।

विशेष आलेख /राशिफल

सार्थक बने छात्र संघों की राजनीति

हाल में दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया में दो सप्ताह से अधिक चले छात्र आंदोलन के बाद छात्रसंघ चुनाव बहाल करने पर विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्रों के बीच सहमति बन गई। प्रशासन ने आगामी शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बाद निर्धारित समयसीमा में चुनाव कराने का आश्वासन दिया। छात्रों ने दो दशकों से अधिक समय से निष्क्रिय पड़े छात्रसंघ की बहाली के लिए संघर्ष किया, लेकिन इसी संघर्ष के दौरान जिस तरह संस्थान के परिसरों में आपत्तिजनक नारे लिखे गए, उससे यही पता चला कि छात्र राजनीति अभी भी भटकाव का शिकार है और उसका सरोकार गैर शिक्षण मुद्दों की ओर अधिक है। यह शुभ संकेत नहीं। जामिया का घटनाक्रम छात्र प्रतिनिधित्व, विश्वविद्यालय की जवाबदेही, युवाओं की राजनीतिक चेतना और शैक्षणिक अनुशासन के बीच संतुलन की आवश्यकता को गंभीरता से रेखांकित करता है। छात्रसंघ की बहाली का निर्णय विश्वविद्यालयों में छात्र प्रतिनिधित्व की जरूरतों पर नए सिरे से विचार करने को प्रेरित करता है, क्योंकि यह एक तथ्य है कि समय के साथ छात्र संघों की राजनीति भटक गई और इसीलिए कई शिक्षण संस्थानों में उस पर प्रतिबंध लगाने पड़े। भारत में छात्रसंघ चुनावों के लिए कोई देशव्यापी प्रतिबंध लागू नहीं है। विभिन्न विश्वविद्यालयों के नियमों, परिस्थितियों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में भिन्नताएं हैं। यही वजह है कि छात्र राजनीति से जुड़े विमर्श में भी व्यापक भिन्नताएं दिखाई देती हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर गठित पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त जेएम लिंगदोह की अध्यक्षता वाली समिति ने 2006 में छात्रसंघ चुनावों के संचालन के लिए कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तुत की थीं। उनमें चुनावी खर्च पर नियंत्रण, उम्मीदवारों की पात्रता, बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप को सीमित करना तथा चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाना प्रमुख रूप से शामिल था।

सर्वोच्च न्यायालय ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालयों को निर्धारित मानकों के अनुरूप छात्र प्रतिनिधित्व की व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया था। इस कानूनी नियमन का उद्देश्य छात्र राजनीति को सीमित करना नहीं, बल्कि उसे अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और अनुशासित बनाना था, लेकिन दुर्भाग्य से इनका प्रभाव आंशिक ही रहा। इस कारण शिक्षण संस्थाओं में छात्रों की बहुआयामी भागीदारी न होने से छात्रों, शिक्षकों और प्रशासन के बीच संवाद कमजोर हुआ और वैचारिक विमर्श का स्तर भी कमतर हुआ। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि छात्रों की नेतृत्व क्षमता कमजोर हुई, जिससे इन संस्थाओं में छात्र आक्रामकता और अराजकता को बल मिला। उच्च शिक्षण संस्थानों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का आक्रामक स्वरूप वैचारिक संवाद से हटकर शक्ति प्रदर्शन तक सीमित होता जा रहा है। हालांकि एक समय छात्र राजनीति ने कुशल नेतृत्व तैयार किया है, लेकिन अनेक शैक्षणिक परिसरों में बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप, जातीय, धार्मिक और वैचारिक ध्रुवीकरण, धनबल, बाहुबल और हिंसा ने इसके मूल उद्देश्यों को कमजोर किया है। छात्रसंघ चुनाव केवल छात्र प्रतिनिधि चुनने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह छात्रों को अपनी समस्याएं उठाने, नेतृत्व विकसित करने और लोकतांत्रिक व्यवहार को जानने-समझने का अवसर भी प्रदान करता है। छात्र संवाद तथा वैचारिक विमर्श की गुणवत्ता में भी उत्तरोत्तर वृद्धि होना समय की मांग है। छात्र संगठनों से अकादमिक वातावरण के निर्माण और संस्था में रचनात्मक भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है। निश्चित ही विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, परंतु विरोध की मर्यादा का संरक्षण भी उतना ही जरूरी है। इसी संतुलन से संस्था में शैक्षिक वातावरण का निर्माण होता है। छात्र परिषद चुनावों पर दिल्ली विश्वविद्यालय के एक हालिया शोध में संकेत दिया गया है कि छात्र राजनीति छात्रों में राजनीतिक जागरूकता को तो बढ़ावा देती है, लेकिन राजनीतिक हिंसा इसके लोकतांत्रिक लाभ को सीमित करती है। यह निष्कर्ष बताता है कि शैक्षणिक संस्थानों में चुनाव कराना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि छात्रों को सार्थक भागीदारी का अवसर देना भी जरूरी है। इससे ही संस्थानों में वैचारिक विमर्श को बढ़ावा मिलेगा और बेहतर शैक्षणिक परिवेश बनेगा। छात्र राजनीति की सफलता शैक्षणिक संस्थाओं में ऐसी पीढ़ी तैयार करने में है, जो अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी प्रतिबद्ध हो। देश को आज ऐसी पीढ़ी की आवश्यकता है, जो लोकतंत्र को केवल एक व्यवस्था के रूप में न देखे, बल्कि उसे जीवन मूल्य के रूप में भी स्वीकार करे। आज भविष्य के उन उत्तरदायी कर्णधारों को गढ़ने का समय है, जो अपनी ऊर्जा हंगामे में नहीं, बल्कि पारस्परिक संवाद, शोध, नीतिगत बहसों और रचनात्मक प्रतिरोध में लगाएं। यदि शिक्षण संस्थाएं इस दिशा में उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, तो यह माहौल न केवल शैक्षणिक परिसरों के माहौल को बेहतर बनाएगा, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था यानी संसद तक स्वस्थ, परिपक्व और दूरदर्शी नेतृत्व की नींव को भी सुदृढ़ करेगा। यह समय की मांग है कि छात्र राजनीति अपने आदर्शों की ओर लौटे।

क्या कहते है आपके सितारें....?

मेष स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। बीमारी के पीछे खर्च करना पड़ेगा। अचानक धन खर्च होगा। अन्य कामकाज में भी आपको थोड़े विरोध का अनुभव करना पड़ सकता है।

सिंह आज आपका दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। इसके साथ ही बाहर घूमने-फिरने और मनपसंद भोजन मिलने का योग है। आयात निर्यात से जुड़े व्यापारियों को धंधे में लाभ और सफलता मिलेगी।

धनु आपका आज का दिन शुभ फलदायी साबित होगा। निर्धारित काम सफलता से पूरे होंगे। अधूरे काम पूरे होंगे। शारीरिक, मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी।

वृषभ आज संतान और जीवनसाथी के संबंध में चिंता होगी। वाद-विवाद या चर्चाओं में गहरे न उतरना हित में रहेगा। आत्मसम्मान को ठेस पहुंचेगी।

कन्या शारीरिक- मानसिक अस्वस्थता का अनुभव होगा। छाती में दर्द या किसी विकार से परिवार में अशांति होगी।

मकर कार्य सफलता और विरोधियों पर विजय का नशा आपके दिलो-दिमाग पर छाया रहेगा, इससे प्रसन्नता अनुभव करेंगे।

मिथुन परिवार में आज आनंद का वातावरण रहेगा। वाणी की मधुरता और न्यायप्रिय व्यवहार से आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगे। आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुला व्यवसाय में आपकी आय तथा मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार के लिए होने वाला प्रवास लाभदायक साबित होगा। आपके उच्च अधिकारी आपसे खुश रहेंगे।

कुंभ आज आप आर्थिक लाभ के साथ समाज में आदर प्राप्त कर सकेंगे। आपके परिवार में सुख और संतोष बना रहेगा। आपकी आय बढ़ेगी और व्यापार में भी लाभ होगा।

कर्क आज आपको बेचैनी, थकान का अनुभव होगा। हालांकि मानसिक स्वस्थता बनाए रख सकेंगे। शरीर में ताजगी का अभाव रहेगा। इससे काम करने का उत्साह नहीं रहेगा।

वृश्चिक आज आपके विदेश में बसने वाले स्नेहीजन या मित्रों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। आज आपको लाभ होगा। आमोद- प्रमोद की प्रवृत्तियों में पैसे खर्च होंगे।

मीन अपनी कला को बाहर लाने के सुनहरे अवसरों को हाथ से न जाने दें। आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्ति अधिक निखरेगी। शारीरिक, मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी।



काट के रख दूंगी.... एक्स हसबैंड जय भानुशाली का नाम घसीटने पर भड़कीं

माही विज

लव गिल से हुई भयंकर भिड़ंत

रिएलिटी शो 'बिग बॉस 20' का घर एक बार फिर विवादों और पर्सनल अटैक का अखाड़ा बन गया है. हाल ही में सामने आए शो के नए प्रोमो में टेलीविजन एक्ट्रेस माही विज और उनकी साथी कंटेस्टेंट लव गिल के बीच जोरदार कहासुनी और तीखी झड़प देखने को मिली. झगड़े के दौरान जैसे ही बात माही विज की पर्सनल लाइफ, शादी और उनके पति जय भानुशाली तक पहुंची, माही अपना आपा खो बैठीं. रोते-बिलखते हुए माही ने लव गिल को सख्त चेतावनी दी और साफ कहा कि वे उनकी शादीशुदा जिंदगी और पति का नाम बीच में न लाएं.प्रोमो के मुताबिक, इस पूरे फसाद की शुरुआत माही विज द्वारा की गई एक टिप्पणी से हुई थी. दरअसल, माही विज ने घर के सदस्य काजी तौकीर और मनीष गोयल के साथ बातचीत के दौरान लव गिल के लिए 'होमब्रेकर' (घर तोड़ने वाली) शब्द का इस्तेमाल किया था. हालांकि, उस बातचीत के दौरान लव वहां मौजूद नहीं थीं. लेकिन बाद में जब लव गिल को इस बात का पता चला, तो उन्होंने सीधे माही विज के सामने आकर सवाल दाग दिए और दोनों के बीच विवाद गरमा गया.

मेरे पति को बीच में मत लाना, काट के रख दूंगी



प्रोमो में दिखाया गया है कि लव गिल द्वारा पर्सनल सवाल पूछे जाने पर माही विज काफी परेशान हो जाती हैं. माही स्पष्ट लहजे में लव से कहती हैं, मेरे डिवोर्स (तलाक) पर बात मत करो. इस पर अपना बचाव करते हुए लव गिल जवाब देती हैं, जैसे इन्होंने मेरे लिए एक वर्ड बोला 'होमब्रेकर'... लव के मुंह से अपनी पर्सनल लाइफ और शादी का जिक्र सुनते ही माही विज बेहद इमोशनल हो जाती हैं और रोते हुए वहां से हटने लगती हैं. इसके बाद भारी गुस्से में माही पीछे मुड़कर लव गिल को चेतावनी देते हुए कहती हैं, मेरे पति को कभी भी बीच में मत लाना, काट के रख दूंगी यहां पे. माही की इस प्रतिक्रिया से साफ जाहिर होता है कि उनकी पर्सनल लाइफ और शादी से जुड़े मुद्दे ने उनके दिल को गहराई से चोट पहुंचाई है.

टास्क के दौरान घरवालों ने भी घेरा

ये हाई-वोल्टेज ड्रामा एक टास्क के दौरान हुआ, जहां कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे से सवाल-जवाब कर रहे थे. प्रोमो में देखा जा सकता है कि माही विज एक खास इंस्ट्रूमेंट पहने हुए हैं और बाकी घरवाले उनसे सवाल कर रहे हैं. जब माही विज ने अपनी पर्सनल लाइफ और तलाक पर बात न करने की शर्त रखी, तो घर के अन्य सदस्यों ने भी उन पर सवाल खड़े कर दिए. घरवालों ने माही को चुनौती देते हुए कहा कि जब उन्होंने खुद लव गिल की पर्सनल लाइफ पर 'होमब्रेकर' जैसी निजी टिप्पणी की थी, तो वे यह उम्मीद कैसे रख सकती हैं कि उनके तलाक या शादी पर कोई बात न करे.

रोहित शेट्टी के नाम पर चल रहे फर्जी अकाउंट, वायरल पोस्ट के बाद फैंस को किया सावधान

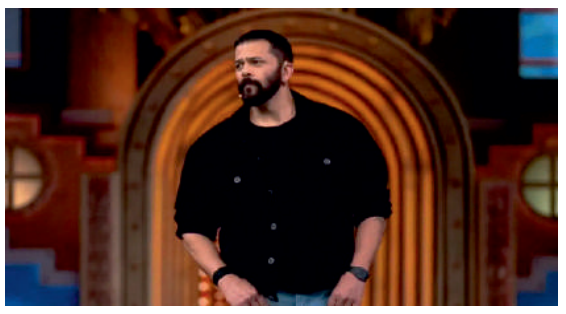

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी ने सोशल मीडिया पर उनके नाम से वायरल हो रही एक पोस्ट को लेकर सफाई दी है. दरअसल, सोशल मीडिया पर उनके नाम से एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही थी. इसके बाद रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर साफ किया कि उनका फेसबुक या एक्स (ट्विटर) पर कोई अकाउंट नहीं है. साथ ही उन्होंने फैंस को उनके नाम से चल रहे फर्जी अकाउंट से सावधान रहने की सलाह दी है.यह सफाई ऐसे समय में आई है, जब फेसबुक पर एक पोस्ट वायरल हो रही थी. इस पोस्ट में कॉमेडियन गौरव गुप्ता के बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट्स स्काउट ओपी और लव गिल के रोस्ट को लेकर बात की गई थी. कई लोगों को लगा कि यह पोस्ट रोहित शेट्टी ने लिखी है. हालांकि, अब रोहित ने खुद सामने आकर साफ कर दिया है कि वह फेसबुक और एक्स पर मौजूद नहीं हैं. इंस्टाग्राम ही उनका एकमात्र आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है.

फर्जी अकाउंट को लेकर रोहित शेट्टी ने क्या कहा ?

इस मामले में फैली गलतफहमी को दूर करते हुए रोहित शेट्टी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर किया. इसमें उन्होंने बताया कि इंस्टाग्राम के अलावा किसी दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनका कोई आधिकारिक अकाउंट नहीं है. उन्होंने लिखा, मैं यह साफ करना चाहता हूं कि सोशल मीडिया पर मेरी मौजूदगी सिर्फ इंस्टाग्राम पर है. मैं फेसबुक या एक्स पर नहीं हूं. इन प्लेटफॉर्म्स पर मेरे नाम से चलने वाला कोई भी अकाउंट या प्रोफाइल फर्जी और बिना अनुमति के बनाया गया है.उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे अकाउंट्स के साथ किसी तरह का जुड़ाव न रखें और न ही उनके जरिए शेयर की जा रही बातों को रोहित शेट्टी की राय समझें. आखिर में रोहित ने फैंस को उनकी बात समझने और लगातार सपोर्ट करने के लिए धन्यवाद भी कहा.

क्या है गौरव गुप्ता के रोस्ट वाला विवाद ?

हाल ही में कॉमेडियन गौरव गुप्ता ने सलमान खान के शो बिग बॉस 20 के दिवाली स्पेशल एपिसोड में शिरकत की थी. इस दौरान उन्होंने शो के कुछ कंटेस्टेंट्स पर मजाकिया अंदाज में तंज कसे. इनमें स्काउट ओपी (तन्मय सिंह) और लव गिल भी शामिल थे. हालांकि, गौरव के कुछ जोक्स कंटेस्टेंट्स को पसंद नहीं आए. खासकर उनकी निजी जिंदगी और रिश्तों को लेकर किए गए मजाक पर स्काउट और लव ने आपत्ति जताई थी.

विवाद में क्यों आया रोहित शेट्टी का नाम ?

एपिसोड के बाद फेसबुक पर रोहित शेट्टी के नाम से एक पोस्ट वायरल होने लगी. इस पोस्ट में कहा गया था कि लोगों को हंसाने के लिए किसी का अपमान करना या उसे नीचा दिखाना सही नहीं है.

दुर्गा घोटे से साई पल्लवी तक, पिछले 100 साल के मनोरंजन के इतिहास में ये 9 एक्ट्रेस बनीं हैं सीता



सिनेमा जगत की शुरुआत से ही रामायण जैसे महाकाव्य पर फिल्में बननी शुरू हो गई थीं. फिर जब छोटे पर्दे की शुरुआत हुई तो उसमें भी रामायण पर कई सारे सीरियल्स बनाए गए. यहां तक फादर ऑफ इंडियन सिनेमा के तौर पर मशहूर दादा साहेब फाल्के की दूसरी फिल्म लंका दहन भी रामायण पर बनी थी. लेकिन इस फिल्म में एक हीरो ने ही मां सीता का रोल प्ले किया था. वहीं किसी भी फिल्म में पहली बार सीता का रोल दिग्गज एक्ट्रेस दुर्गा घोटे ने प्ले किया था. वहीं हाल ही में आई रामायण में ये किरदार साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी ने प्ले किया है.वक्त के साथ-साथ मां सीता के किरदार को पर्दे पर दिखाने का अंदाज भी बदला है. हालिया रिलीज रामायण में सीता को सीधा-सादा दिखाने के साथ ही उन्हें महाज्ञानी और एक वॉरियर की तरह पेश किया गया है. ये उस दौर के परिवेश के हिसाब से रिलेटेबल भी लगता है. हालांकि इसे लेकर बहस भी छिड़ी है. जहां कुछ लोग मां सीता के इस रोल से संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ जो लोग इसे डिफेंड कर रहे हैं. वे रामायण के 300 संस्करण और अलग-अलग स्थानों पर इसके अलग-अलग प्रचलन और मान्यताओं का हवाला दे रहे हैं. हालांकि बहस के इतर इसे लेकर कोई विवाद देखने को नहीं मिल रहा है. बता रहे हैं कि भारतीय सिनेमा के 100 साल के इतिहास में किन एक्ट्रेस ने बड़े और छोटे पर्दे पर मां सीता का रोल प्ले किया है.

दुर्गा घोटे

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस दुर्गा घोटे ने साल 1934 में आई फिल्म सीता में मां सीता का रोल प्ले किया था. इसे मां सीता के जीवन पर केंद्रित कर के ही बनाया गया था. इसका निर्देशन देबकी कुमार बोस ने किया था. फिल्म में पृथ्वीराज कपूर भगवान राम के रोल में नजर आए थे. वहीं दूसरी तरफ लव के रोल में त्रिलोक कपूर नजर आए थे. इसके अलावा फिल्म में मुख्तार बेगम और गुल हामिद भी थे.

शोभना सामंत

साल 1943 में आई फिल्म राम राज्य में शोभना सामंत ने मां सीता का रोल प्ले किया था. इसमें प्रेम अदिब ने भगवान राम का रोल निभाया था. वहीं ऋषि वालमीकि के रोल में बद्री प्रसाद नजर आए थे. फिल्म का निर्देशन और निर्माण विजय भट्ट ने किया था वहीं इसका संगीत शंकरराव व्यास ने दिया था. फिल्म में अरुणा राय, बीना राय और कन्हैयालाल का भी रोल था.

अनीता गुहा

साल 1961 में बाबूभाई मिस्त्री ने एक फिल्म बनाई थी जिसका नाम संपूर्ण रामायण था. 3 घंटे 3 मिनट की इस फिल्म में वसंद देसाई और भारत व्यास ने म्यूजिक दिया था. फिल्म में महीपाल ने भगवान राम का रोल किया था वहीं अनीता गुहा मां सीता के रोल में नजर आई थीं.

एक दूजे के हुए अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन, सामने आई शादी की पहली तस्वीर

मशहूर म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर और क्रिकेट टीम सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा।) की मालकिन काव्या मारन हमेशा-हमेशा के लिए एक दूजे के हो चुके हैं. दोनों शादी के बंधन में बंध गए हैं. 11 नवंबर को ग्रीस में दोनों ने एक दूसरे को अपना हमसफर बनाया है. अनिरुद्ध ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को शादी के बंधन में बंधने की जानकारी दी है. उन्होंने अपनी पत्नी



काव्या के साथ एक खूबसूरत सी शादी की पहली तस्वीर शेयर की है.अनिरुद्ध और काव्या मारन की जोड़ी काफी प्यारी लग रही है. तस्वीर में दोनों काफी खुश और मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं. अनिरुद्ध ने फोटो शेयर करते हुए एक प्यारा सा कैप्शन भी लिखा है. उन्होंने कहा, जिंदगी में एक बार मिलने वाली, जो जिंदगी भर के लिए है. कैप्शन में आगे उन्होंने अपनी शादी की तारीख मेंशन की- 11.11, यानी 11 नवंबर.

रजनीकांत-एम.के. स्टालिन शादी में हुए शामिल

अनिरुद्ध और काव्या ग्रीस में एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंधे. दोनों की वेडिंग में सिर्फ परिवार वाले और करीबी लोगों की ही मौजूदगी रही. सुपरस्टार रजनीकांत और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन भी दोनों की शादी समारोह में शामिल हुए.जैसे ही शादी की तस्वीर सामने आई पलभर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. दोनों की जोड़ी फैंस को भी काफी पसंद आ रही है. आम लोगों के साथ-साथ सितारे भी उन्हें इस नए सफर के लिए मुबारकबाद दे रहे हैं. समांथा रुथ प्रभु, राधिका सरथकुमार समेत और भी फिल्म स्टार्स ने उनके पोस्ट पर कमेंट करके बधाई दी.

अनिरुद्ध-काव्या का वेडिंग रिसेप्शन कब ?

अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन ने भले ही भारत से दूर ग्रीस में एक निजी समारोह में शादी की है, लेकिन जानकारी के अनुसार दोनों भारत में रिसेप्शन भी रखने वाले हैं.





सैंडपेपर विवाद : कमिंस पर भड़के डेविड वार्नर, बोले- उन्होंने ख्वाजा को बलि का बकरा बनाया

पर्थ

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाँ डेविड वार्नर ने 2018 के सैंडपेपर विवाद पर कप्तान पैट कमिंस के बयान को लेकर नाराँगी ँताई है। उन्होंने कमिंस पर उस्मान ख्वाँा को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कप्तान के इस रवैये से उन्हें बेहद निराशा हुई है।

वार्नर ने ख्वाजा के दावों का किया समर्थन, कहा- आठ साल से हम रोजाना भुगत रहे हैं सजा, जांच भी ठीक से नहीं हुई

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में खेले ँ रहे वनडे मुकाबले के दौरान फाक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री करते हुए वार्नर ने ख्वाँा का समर्थन किया। ख्वाँा की हाल ही में ँारी आत्मकथा में केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद को लेकर किए गए दावों ने एक बार फिर इस पुराने मामले को चर्चा में ला दिया है।

वार्नर ने कहा, पैट कमिंस पूरी तैयारी के साथ आए थे। लेकिन मैं अब भी उ ँै (उस्मान ख्वाँा) और उनकी किताब में लिखी बातों के साथ खड़ा हूं। यह सच है और मैं उनका पूरा समर्थन करता हूं। इस समय मुझे उनके लिए वास्तव में बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि आँ कप्तान ने उ ँै को बलि का बकरा बना दिया। इससे मैं बहुत, बहुत निराश हूं।

उन्होंने कहा, इस मामले में हम तीनों ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। मैंने आठ वर्षों तक इस बारे में बात नहीं की। लेकिन आखिरकार हमें हर दिन इसके परिणामों के साथ ीना पड़ता है। हमें ऐसी साँ मिली है, ी ैदगी भर चलती रहेगी। इसलिए ँब दूसरे लोग इस बारे में बात करते हैं कि उन पर इसका क्या असर पड़ा, तो मेरे, स्टीवन और कैमरन के लिए इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। हमें हर दिन मैदान पर उतरना पड़ता है और लोगों की गालियां सुननी पड़ती हैं। हां, हमने अपनी गलती स्वीकार की थी, लेकिन आखिरकार इसकी सबसे बड़ी कीमत मेरी पत्नी और मैंने चुकाई है। उस दौरान हमने अपना बच्चा खो दिया था और ँब तक सच को स्वीकार नहीं किया ँाता, तब तक यह बात मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ देती रहेगी।

वार्नर ने उस समय हुई ँाच पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह बहुत मुश्किल रहा है, क्योंकि शुरुआत में ँस तरीके से इस मामले को संभाला गया, उससे ँल्दबाी में निपटाने के लिए की गई ँाच थी।

उन्होंने आगे कहा, हमें दोबारा वहां ँाकर अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला। टाड ग्रीनबर्ग ने पिछले दिनों इस संभावना को खारि ँ कर दिया। इसलिए मुझे लगा था कि शायद इस पूरे मामले के बाद पर्दे के पीछे कुछ बातचीत होगी। इससे पहले कमिंस ने ख्वाँा के आरोपों को 100 प्रतिशत गलत और पूरी तरह बकवा बताया था। ख्वाँा ने अपनी नई आत्मकथा में दावा किया है कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को गेंद से छेड़छाड़ की यों ना की ँनकारी थी, ँसमें कमिंस भी शामिल थे। इस विवाद में शामिल होने के कारण स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरन बेनक्राफ्ट पर प्रतिबंध लगाए गए थे। वार्नर के ताँा बयान से स्पष्ट है कि यह मामला उनके लिए आँ भी बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। उनका मानना है कि इस पूरे प्रकरण औ इसकी ँाच से ुड़ी परिस्थितियों पर अब तक पर्याप्त और सही तरीके से विचार नहीं किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, जापान के तनाका को सीधे गेमों में हराया

कुमामोटो। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है।



आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला। लक्ष्य ने पहले गेम में मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, तनाका ने वापसी करते हुए मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सही समय पर अपना खेल तेज किया और 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद लक्ष्य ने बढ़त बनाई और मध्यांतर तक 11-9 से आगे रहे। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 21-15 से गेम और मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दौर में चीन के डोंग तियान याओ को केवल 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना अब इंडोनेशिया के एल्वी फरहान से होगा। इससे पहले शुक्रवार को भारत के किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

जापान मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत, वतनबे ने सीधे गेमों में दी मात

कुमामोटो। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का जापान मास्टर्स में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ 22-24, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला 41 मिनट तक चला। पहला गेम बेहद रोमांचक रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच 20 अंकों के बाद भी कड़ा मुकाबला जारी रहा। घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहे वतनबे ने दबाव के क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की और मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली। इसके बाद भी वह 14-9 से आगे थे, लेकिन वतनबे ने जबरदस्त वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने 14-9 से पिछड़ने के बाद अगले 13 में से 12 अंक जीतकर गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया। इस तरह उन्होंने सीधे गेमों में मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। हार के बावजूद श्रीकांत के लिए यह टूर्नामेंट कुल मिलाकर अच्छा रहा। इससे पहले उन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त और घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी कोडाई नाराओका को पांचवीं भिड़ंत में पहली बार हराया था। श्रीकांत ने नाराओका के खिलाफ 21-15, 11-21, 21-18 से जीत दर्ज की थी। दूसरे गेम में बड़ी हार के बाद उन्होंने निर्णायक गेम में वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया था।



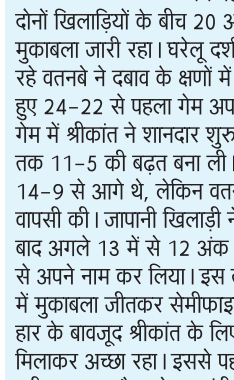

मेजर लीग साकर : लगातार तीसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के फाइनलिस्ट बने मेसी

न्यूयार्क। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी लगातार तीसरे वर्ष मेजर लीग साकर (एमएलएस) के प्रतिष्ठित लैंडन डोनोवन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) पुरस्कार के फाइनलिस्ट बने हैं। लीग ने सत्र के समापन पर दिए जाने वाले आठ व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए फाइनलिस्ट की घोषणा की। एमवीपी पुरस्कार की दौड़ में मेसी के साथ 17 वर्षीय उभरते खिलाड़ी कैवन सुलिवन भी शामिल हैं। इंटर मियामी के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले मेसी ने पिछले लगातार दो सत्रों में यह पुरस्कार जीता था। इस बार भी वह इसके प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उन्होंने नियमित सत्र में लीग के सर्वाधिक 26 गोल किए, जबकि उनके नाम 17 असिस्ट भी रहे, जो लीग में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमवीपी पुरस्कार के लिए मेसी और सुलिवन के अलावा एफसी सिनसिनाटी के इवांडर, ह्यूस्टन डायनमो के गिलहर्मे और नैशविले एससी के हानी मुख्तार फाइनलिस्ट हैं। सिगी श्मिड कोच आफ द ईयर पुरस्कार के लिए नैशविले के बीजे कैलाघन, सेंट लुइस सिटी के योआन डामे और वैंकूवर व्हाइटकैप्स के जेस्पर सोरेनसन दावेदार हैं। कैलाघन के मार्गदर्शन में नैशविले ने 23 जीत, तीन हार और आठ ड्रा के साथ 77 अंक हासिल कर सपोर्टर्स शील्ड अपने नाम की। डिफेंडर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए नैशविले के तीन खिलाड़ी एंडी नाजार, जेइसन पलासियोस और मैक्सवेल वोल्डेजी फाइनलिस्ट हैं। वहीं, गोलकीपर आफ द ईयर पुरस्कार की दौड़ में नैशविले के ब्रायन श्वाके, सेंट लुइस सिटी के रोमन बुर्की और त्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन के मैट टर्नर शामिल हैं। कमबैक प्लेयर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए वैंकूवर व्हाइटकैप्स के रयान गाल्ड, सिनसिनाटी के निक हैगलंड और सैन जोस अर्थक्वेक्स के एडुआर्ड लोवेन फाइनलिस्ट हैं। त्यूकमर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए गिलहर्मे, आरलैंडो सिटी के एंटोनी ग्रीजमैन और स्पोर्टिंग कैनसस सिटी के आंद्रे लुइज के बीच मुकाबला होगा।

माउंट माउंगानुई में भारत की शर्मनाक हार, बने वनडे के 5 बड़े रिकॉर्ड

244 रनों से न्यूजीलैंड ने दी करारी शिकस्त, 89 रन पर सिमटी टीम इंडिया; मैट हेनरी ने झटके 6 विकेट



माउंट माउंगानुईक्ष

बे ओवल मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने 244 रनों की ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 334 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम महज 89 रनों पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 27 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। भारतीय बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन और हेनरी की शानदार गेंदबाजी के चलते इस एकतरफा मुकाबले में एकदिवसीय क्रिकेट के पांच बड़े रिकॉर्ड बने। इनमें भारतीय टीम के नाम कई शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हुए।

भारतीय टीम इस मुकाबले में महज 89 रनों पर सिमट गई, जो एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया का छठा सबसे कम टीम स्कोर है। भारत का सबसे कम वनडे स्कोर 54 रन है, जो वर्ष 2000 में शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ बना था। इसके बाद वर्ष 1981 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 63 रन, 1986 में कानपुर में श्रीलंका के खिलाफ 78 रन, 1978 में सियालकोट में पाकिस्तान के खिलाफ 79 रन और 2010 में दांबुला में न्यूजीलैंड के खिलाफ 88 रन बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रनों का मौजूदा स्कोर इस सूची में छठे स्थान पर है। इसके बाद वर्ष 2006 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 91 रन और 2019 में हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 92 रनों के स्कोर शामिल हैं। रनों के अंतर से भारतीय टीम अपने एकदिवसीय इतिहास की सबसे बड़ी हार के रिकॉर्ड की बराबरी करने से महज एक रन दूर रह गई। भारत की सबसे बड़ी हार का रिकॉर्ड 245 रनों का है, जो वर्ष 2000 में शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 244 रनों की यह करारी शिकस्त भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार बन गई है। इससे पहले भारत को वर्ष 2015 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका से 214 रनों से, 2004 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया से 208 रनों से, 1975 के विश्व कप में लॉर्ड्स में इंग्लैंड से 202 रनों से और 2010 में दांबुला में न्यूजीलैंड से 200 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। मैट हेनरी ने इस मुकाबले में छह विकेट चटकाकर भारत के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में चौथी बार चार या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। इसके साथ ही उन्होंने वेस्टइंडीज के रवि रामपॉल (14 पारियां), श्रीलंका के अजंता मेंडिस (19 पारियां), ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली (30 पारियां) और पाकिस्तान के आकिब जावेद (36 पारियां) की बराबरी कर ली, जिन्होंने भारत के खिलाफ चार-चार बार यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, हेनरी ने महज 12 पारियों में यह मुकाम हासिल कर इन सभी गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया और भारत के खिलाफ सबसे तेज चार या उससे अधिक विकेट लेने के चार कारनामे करने वाले गेंदबाज बन गए।मैट हेनरी ने भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ते हुए अपने एकदिवसीय करियर का चौथा पांच विकेट हॉल पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की भी बराबरी कर ली, जिन्होंने अपने करियर में चार बार यह उपलब्धि हासिल की थी। इस उपलब्धि के साथ हेनरी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के लिए एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड ट्रेंट बोल्ट के नाम है, जिन्होंने छह बार यह कारनामा किया है। दूसरे स्थान पर सर रिचर्ड हैडली पांच बार और पांचवें स्थान पर टिम साउदी तीन बार पांच विकेट हॉल के साथ मौजूद हैं।रनों के अंतर से यह न्यूजीलैंड के एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। कीवी टीम की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड 290 रनों का है, जो उसने वर्ष 2008 में एबरडीन में आयरलैंड के खिलाफ दर्ज किया था। भारत के खिलाफ 244 रनों की यह जीत अब इस सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। इस सूची में तीसरे स्थान पर वर्ष 2004 की चैंपियंस ट्रॉफी में अमेरिका के खिलाफ मिली 210 रनों की जीत, चौथे स्थान पर 1986 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली 206 रनों की जीत और पांचवें स्थान पर 2017 में क्राइस्टचर्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ दर्ज की गई 204 रनों की जीत शामिल है।

ऋषभ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हुए



बेंगलूर

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाँ ऋषभ पंत टेस्ट सीरीँ के लिए न्यूँलैंड रवाना हो गये हैं। ऋषभ अब तक यहां बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस हासिल करने में लगे थे। गत दिवस ही उन्हें सीओई ने फिटनेस क्लियरेंस दिया। ँसके बाद ही उनके टेस्ट सीरीँ में खेलने का रास्त साफ हुआ। ऋषभ के फिट होने से भारतीय टीम को राहत मिली है क्योंकि विदेशी मैदानों पर उनका काफी अच्छा रिकार्ड रहा है।

वह अगस्त से ही भारतीय टीम से बाहर थे। इस कारण साइड स्ट्रेन की समस्या होना है। अक्टूबर में खेले गए ईरानी कप के मैच में उन्हें एक और चोट लगी थी, ँसके कारण उन्हें न्यूँलैंड ए के खिलाफ अनआफिशियल टेस्ट मैचों के लिए इंडिया ए स्क्वाड से बाहर कर दिया गया था। इन बाधाओं के बावूँद, ऋषभ ने सेंटर आफ एक्सीलेंस में 23 अक्टूबर से दो सप्ताह से अधिक समय तक रहकर अपनी फिटनेस पर काम किया। इस दौरान वह कई मैच सिम्यूलेशन प्रक्रियाओं से गुँ, ी किसी भी खिलाड़ी की गेम फिटनेस को परखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। इन सभी प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी वापसी हुई है।

भारत और न्यूँलैंड के बीच टेस्ट सीरीँ का आगाँ 19 नवंबर से होना है, और इस अनभवी विकेटकपर के टीम से ुँड़ने से शुभमन गिल की टीम को लाभ हुआ है। इसका कारण है कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाी और विकेटकीपिंग कौशल से किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं।

हालांकि, उनकी वापसी के साथ ही टीम प्रबंधन के सामने विकेटकीपिंग स्लाट को लेकर एक दिलचस्प चुनौती खड़ी हो गई है। टीम में केएल राहुल और युवा ध्रुव ँरेल के रूप में दो अन्य विकेटकीपिर पहले से ही उपलब्ध हैं। केएल राहुल ँहां टीम के लिए ओपनिंग करते हैं और उनकी बल्लेबाी फार्म शानदार रही है, वहीं ँरेल ने हालिया अनआफिशियल टेस्ट सीरीँ में प्रभावित है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम ग्यारह में उनके , राहुल और ँरेल में से किस खिलाड़ी को ँगह मिलती है।

टेस्ट सीरीँ के लिए कप्तान शुभमन गिल सहित प्रमुख खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरु कर दिया है। कप्तान शुभमन गिल के साथ-साथ केएल राहुल और अंशुल कंबो ँसे प्रमुख खिलाड़ी इसी कारण अंतिम दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हैं।

अर्शदीप और माडल समरीन की सगाई : एक नए सफर की शुरुआत



वैलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अभिनेत्री और माडल समरीन कौर के साथ सगाई की है। से दोनो ही लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। अब इस जोड़े ने अपनी जिंदगी के इस नए अध्याय की शुरुआत कर दी है, जिसपर प्रशंसकों ने इन दोनो को बधाइयां दी हैं। इस जोड़े ने अपने प्रशंसकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, इसमें अर्शदीप घुटनों के बल बैठकर समरीन को शादी के लिए प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में समरीन की शानदार हीरे की अंगूठी भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, जिसे उन्होंने खुशी-खुशी स्वीकार किया। इस खूबसूरत पल का जश्न दोनो ने एक-दूसरे को गले लगाकर मनाया, जो उनके गहरे प्यार और साथ की मजबूत नींव को दर्शाता है। अपनी पोस्ट के साथ ही इस जोड़े ने लिखा था, जिंदगी हमें जो कुछ भी दे सकती थी, उनमें से सबसे अच्छी बात यह है कि उसने हमें एक-दूसरे से मिलाया। जीवन भर साथ रहने के लिए। जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर साझा की गई, इस जोड़े को बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए। प्रशंसकों और दोस्तों ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बुडापेस्ट फास्ट क्लासिक में कारुआना और नीमन की लगातार दो जीत, असौबायेवा ने एरिगैसी को हराया

दूसरे दिन 24 में से 13 बाजियों के निकले निर्णायक परिणाम, अलीरेजा फिरोजा ग्रुप ए और फैबियानो कारुआना ग्रुप बी में शीर्ष पर



बुडापेस्ट

अमेरिका के फैबियानो कारुआना और हंस मोके नीमन ने बुडापेस्ट में ँरी टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिक ग्रुप चरण के दूसरे दिन अपनी दोनों बाँयां ीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, उज्बेकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा ने भारत के अुँन एरिगैसी को हराकर दिन का बड़ा उलटफेर किया।

दूसरे दिन तीसरे और चौथे दौर में कुल 24 में से 13 बाँयों के निर्णायक परिणाम निकले। पहले दिन की तुलना में यह तीन अधिक था। प्रतियोगिता के इस प्रारूप में प्रत्येक खिलाड़ी को एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो बाँयां खेलनी होती हैं, ँनमें रंग बदल ँते हैं। ीत पर तीन अंक और ड्रा पर एक अंक दिए ँते हैं। दोनों बाँयां ँतने के कारण कारुआना और नीमन ने छह-छह अंक हासिल किए।

ग्रुप ए में अलीरेँा फिरोँा आठ अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर पहुंच गए हैं। ग्रुप बी में कारुआना 10 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। ग्रुप सी में इयान नेपोमनियाची और हाइक मार्टिरोस्यान छह-छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ग्रुप डी में नीमन ने मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ आठ अंकों पर बराबरी कर ली है।

ग्रुप ए : फिरोजा ने बनाई बढ़त ग्रुप ए में अलीरेँा फिरोँा ने ँर्डन वान फारेस्ट के खिलाफ सफेद मोहरों से लंबी बाी ीत ली, ँबकि दूसरी बाी ड्रा रही। इस प्रदर्शन से फिरोँा को चार अंक मिले और वह कुल आठ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। ँन-क्रिस्टोफ डूडा उनसे एक अंक पीछे हैं। डूडा और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच दोनों बाँयों में ीत का आदान-प्रदान हुआ। डूडा ने पहली बाी ीती, ी दिन की सबसे लंबी बाी रही। इसके बाद अब्दुसत्तोरोव ने दूसरी बाी ीतकर हिसाब बराबर कर लिया। दोनों को तीन-तीन अंक मिले। डूडा के सात और अब्दुसत्तोरोव के चार अंक हैं। लेवोन एरोनियन और एंड्रयू होंग के बीच दोनों बाँयां ड्रा रहीं। एरोनियन के पांच और होंग के तीन अंक हो गए हैं। वान फारेस्ट के खाते चार अंक हैं।

ग्रुप बी : कारुआना की दोहरी जीत ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना ने आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सफेद मोहरों से खेलते हुए कारुआना ने एक मोहरा बलिदान कर काले मोहरों से खेल र प्रतिद्वंद्वी की रक्षा को कमीँर किया और आसानी से ीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से भी दूसरी बाी ीत ली। दोनों ीत से कारुआना के कुल 10 अंक हो गए हैं और उन्होंने दूसरे स्थान पर मौूद लियेम ले पर दो अंकों की बढ़त बना ली है। लियेम ले ने विंसेंट कीमर खिलाफ एक ीत और एक ड्रा के साथ चार अंक हासिल किए। उन्होंने सफेद मोहरों से कड़े मुकाबले में ीत दँ की। ले के आठ अंक हैं, ँबकि कीमर तीन अंकों पर हैं। रिचर्ड रापोर्ट और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के ब दोनों बाँयां ड्रा रहीं। दोनों के तीन-तीन अंक हैं। प्रज्ञानानंद दो अंकों पर हुए हैं।

ग्रुप सी : मार्टिरोस्यान ने की वापसी, कार्लसन की चौथी बाजी भी ड्रा -ग्रुप सी में हाइक मार्टिरोस्यान ने अनिश गिरि के खिलाफ पहल बाी गंवाने के बाद शानदार वापसी की। गिरि ने सफेद मोहरों से खेलते हुए महँ 26 चालों में ीत हासिल की, लेकिन मार्टिरोस्यान ने वापसी की बाी सफेद मोहरों से ीत ली। इस तरह मार्टिरोस्यान के छह अंक हो गए और वह इयान नेपोमनियाची के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए गिरि के पांच अंक हैं। नेपोमनियाची और शाखरियार मामेद्यारोव के बी दोनों बाँयां ड्रा रहीं। दोनों खिलाड़ियों को दो-दो अंक मिले और मामेद्यारोव के कुल पांच अंक हो गए।

केकेआर की कप्तानी के लिए रिंकू सिंह का नाम आगे लाए आकाश चोपड़ा, बोले- विदेशी खिलाड़ी से बेहतर वि

नई दिल्ली

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में प्लेआफ में ँगह नहीं मिली थी। अब पूर्व कप्तान अँक्य रहाणे के संन्यास के बाद फ्रेंचाइी के सामने आईपीएल 2027 से पहले कई अहम फैसले लेने की चुनौती है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रिंकू सिंह को टीम की कप्तानी सौंपने की सलाह दी है। उनका मानना है कि यदि नीलामी में कोई उपयुक्त विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ी की बाँय रिंकू को कप्तान बनाया ँना चाहिए।

ँियोस्टार के कार्यक्रम गेम प्लान में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने केकेआर की संभावित रिटेंशन और रिलीँ रणनीति पर चर्चा की। इसमें कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना और रिंकू सिंह सहित कई खिलाड़ियों के भविष्य पर विचार किया गया।

आकाश चोपड़ा ने पिछले सत्र की नीलामी में महंगी कीमत पर खरीदे गए कैमरन ग्रीन और मथीशा पथिराना को रिलीँ करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, मैं 25.2 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन को रिलीँ करने के पक्ष में हूं। यह विश्व कप और एशेँ का साल है, इसलिए मुझे उनकी उपलब्धता और वह कितने मैच खेल पाएंगे, इसे लेकर भरोसा नहीं है। अगर आप उन्हें रिलीँ करते हैं और दोबारा खरीदना भी चाहते हैं, तो उन्हें 50 प्रतिशत कम कीमत पर आसानी से हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मथीशा पथिराना भी नहीं खेल रहे हैं, इसलिए यह 18 करोड़ रुपये का एक और निवेश है। केकेआर इस नीलामी में सबसे ज्यादा पैसे के साथ उतर सकती है और यही सबसे बड़ी चर्चा होगी। मुस्तफिुँर रहमान को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अगर वह उपलब्ध हैं और खेल सकते हैं, तो आप उन्हें टीम में बनाए रखना चाहेंगे। लेकिन क्या वह खेल पाएंगे, यह हमें नहीं पता। अगर वह खेल सकते हैं, तो मैं उन्हें रिटेन करूंगा, क्योंकि इन दोनों पास पहले ही 43 करोड़ रुपये अतिरिक्त हैं। हो ँएंगे।



रिंकू सिंह को कप्तानी सौंपने के सवाल पर चोपड़ा ने कहा, रिंकू को कप्तान बना दीँए। आपने उन्हें उपकप्तान बनाया था, है ना तो अब उन्हें कप्तान बना दीँए। वह यूपी टी20 लीग में अपनी टीम की कप्तानी करते हैं। कभी-कभी आपको खिलाड़ियों को बड़ी ँम्मेदारी देकर गहरे पानी में उतारना पड़ता है और देखना होता है कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं। यह वैसा ही मौका है, बशर्ते नीलामी में आपको कोई दूसरा उपयुक्त खिलाड़ी न मिल ँए। अगर कोई और विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ियों की तरफ देखने के बाँय मैं वास्तव में रिंकू को कप्तानी सौंपना पसंद करूंगा।

चोपड़ा ने रमनदीप सिंह और उमरान मलिक के भविष्य पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं चार करोड़ रुपये के रमनदीप सिंह को लेकर थोड़ा चिंतित हूं। उनका बिल्कुल किया ँा सकता है। उमरान मलिक पर चिंता का विषय है। अगर मैं उन्हें खिला वाला नहीं हूं और वह अच्छा प्रदर्शन भी नहीं कर रहे हैं, तो क्या मुझे किसी दूसरे विकल्प की तरफ ँना चाहिए मुझे पता है कि यह सिर्फ चार करोड़ रुपये हैं, लेकिन इस पैसे का बेहतर इस्तेमाल इस्तेमाल नहीं हो रहा है और यह मेरे लिए दूसरी ँगह खेलने दीँए। उन्होंने कहा, एक अन्य खिलाड़ी उमरान मलिक हैं। क्या केकेआर उन्हें रिलीँ करेगी उनकी कीमत केवल 75 लाख रुपये है, लेकिन उन्हें खिलाया नहीं ँा रहा है। अगर आप उन्हें मौका नहीं दे रहे हैं, तो उमरान के हित में मैं कहूंगा कि उ रिलीँ कर दीँए। इस लड़के के लिए आपको बुरा लगता है, क्योंकि उनमें काफी क्षमता है। फिर उन्हें बेंच पर क्यों बैठाए रखना अगर आप उन्हें नहीं खिला सकते और हर्षित उपलब्ध हैं, तो इस खिलाड़ी को ँाने दीँए और कहीं

50000 से ज्यादा यात्रियों ने किया सफर

आनंद विहार स्टेशन पर उमड़ी भारी भीड़

नईदिल्ली, एजेंसी। छठ महापर्व पर घर जाने वालों भीड़ आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर देखने केा मिली। बिहार और पूर्वांचल की ओर जाने वाली ट्रेनों में सफर करने के लिए बड़ी संख्या में यात्री यहां पहुंचे।

बुधवार को रेलवे स्टेशन से 50 हजार से अधिक यात्री अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण रेलवे प्रशासन को भीड़ नियंत्रित करने के लिए होल्डिंग एरिया का सहारा लेना पड़ा।



उधर, बस अड्डे पर भी खासी भीड़ देखी गई। जो यात्री ट्रेन से नहीं जा सके वे बसों के ब्रेक जर्नी कर अपने घरों के लिए रवाना हुए। शुक्रवार से शुरू हो रहे छठ महापर्व के चलते गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग घर जाने के लिए आनंद विहार रेलवे स्टेशन से रवाना हुए। पूर्वांचल और बिहार जाने वाली बीस ट्रेनों के अलावा सात विशेष ट्रेनों का संचालन भी किया गया था। यात्री सुमित साहू ने बताया कि छठ पर परिवार के साथ बिहार जाना है। भीड़ इतनी अधिक है कि बच्चों और सामान को संभालना मुश्किल हो रहा है। ट्रेन का इंतजार भी काफी देर तक करना पड़ा। विशेष झा ने बताया कि त्योहार पर घर पहुंचने की जल्दी है। भीड़ के कारण प्लेटफॉर्म तक पहुंचने और ट्रेन में सवार होने में परेशानी हुई।

रेलवे स्टेशन के साथ आनंद विहार अंतरराज्यीय बस अड्डे पर भी यात्रियों का हुजूम उमड़ा। प्रयागराज, गोरखपुर, आजमगढ़, अयोध्या और बनारस जाने वाली बसों में सवार होने के लिए लोग इंतजार करते रहे। परिवार और सामान के साथ यात्री जल्द से जल्द अपने घर पहुंचने की कोशिश में जुटे रहे।

प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़

इसके लिए सुबह से ही लोग स्टेशन पहुंचने लगे। टिकट लेने के बाद प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर उन्हें होल्डिंग एरिया में रोका गया। प्लेटफार्म पर जगह बनने और ट्रेन आने के अनुसार यात्रियों को आगे जाने दिया गया इसके बावजूद यात्रियों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। सिर पर बैग और हाथों में बच्चों का सामान लिए लोग ट्रेन पकड़ने के लिए बेताब दिखे। फुटओवर ब्रिज पर भी यात्रियों की आवाजाही का दबाव बना रहा। सुरक्षा कर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी।

डीयू के सत्यवती कॉलेज में छात्रा से यौन उत्पीड़न के आरोप, महिला आयोग ने प्रिंसिपल से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज में एक छात्रा द्वारा एसोसिएट प्रोफेसर पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर दिल्ली महिला आयोग ने स्वत संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉलेज के प्राचार्य को पत्र लिखकर शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करने और निष्पक्ष व समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ब्योरा (एक्शन टेकन रिपोर्ट) संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों के साथ मांगा है। साथ ही आरोपों की जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा है। आयोग ने कॉलेज प्रशासन को परिसर में छात्राओं और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के भी निर्देश दिए हैं। इसके अलावा आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) को सक्रिय और प्रभावी बनाने और यौन उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण की निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कालेज में जरूरी संस्थागत व्यवस्थाएं की जाएं।

संक्षिप्त समाचार

मोदी मंत्रिपरिषद की बैठक 18 नवंबर को होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 नवंबर को अपने पूरे मंत्रिपरिषद के साथ बैठक



कर सकते हैं। इस दौरान उनसे शासन, सुधारों और कल्याण एवं विकास योजनाओं के संबंध में महिलाओं और युवाओं तक पहुंच बनाने सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद है। यह बैठक उस जारी प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मंत्रियों को सरकार के सामने आने वाले मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करना है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री 18 नवंबर की शाम को वार्षिक भारत-आसियान शिखर सम्मेलन से लौटने के तुरंत बाद अपनी मंत्रिपरिषद के साथ बातचीत करेंगे। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में शासन, सुधारों, कल्याणकारी और विकास योजनाओं के बारे में महिलाओं और युवाओं तक पहुंच बनाने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।मंत्रिपरिषद की पिछली बैठक, जिसे चिंतन शिविर कहा गया था सितंबर में हुई थी। मंत्रिपरिषद की आगामी बैठक में इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है कि विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच बेहतर तालमेल बिठाकर सरकारी योजनाओं के वितरण तंत्र (डिलीवरी मैकेनिज्म) को और कैसे बेहतर बनाया जाए।

संगठित अपराध और ड्रग्स तस्करी बर्दाश्त नहीं: शाह ने दिल्ली पुलिस को दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस को संगठित अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों की सप्लाई और दूसरी गैर-कानूनी गतिविधियों पर अपनी कार्रवाई को और मजबूत करने का निर्देश दिया. उन्होंने राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के आस-पास के इलाकों में चल रहे क्रिमिनल नेटवर्क को खत्म करने के लिए एक समन्वित रणनीति बनाने पर बल दिया. सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में चार घंटे तक चली हाई-लेवल सिक्योरिटी रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए अमित शाह ने सीनियर पुलिस अधिकारियों से ऑर्गनाइज्ड क्रिमिनल एक्टिविटीज से निपटने और उभरती सिक्योरिटी चुनौतियों का ज्यादा असरदार जवाब देने के लिए बड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (स्टैंडर्ड) बनाने को कहा. गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस और पड़ोसी एनसीआर शहरों में उनके समकक्षों के बीच ज़्यादा समन्वय बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया. ताकि क्रिमिनल लोगों को अधिकार क्षेत्र की सीमाओं का फ़ायदा उठाने से रोका जा सके. प्रस्तावित कोऑर्डिनेशन सिस्टम से इंटेलिजेंस-शेयरिंग मज़बूत होने, ऑपरेशनल रिस्पॉन्स बेहतर होने और इंटर-स्टेट या इंटर-सिटी मौजूदगी वाले क्रिमिनल नेटवर्क के खिलाफ जॉइंट एक्शन में मदद मिलने की उम्मीद है. मीटिंग में लेफ्टिनेंट गवर्नर टीएस संधू, यूनियन होम सेक्रेटरी गोविंद मोहन, दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार और दूसरे सीनियर अधिकारी शामिल हुए. मीटिंग की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि मीटिंग में नेशनल कैपिटल में मौजूदा लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति, मौजूदा पुलिसिंग इंतजाम और लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों को बेहतर बनाने के लिए जरूरी उपायों का रिव्यू किया गया. अमित शाह ने पुलिसिंग स्ट्रेटेजी को मजबूत करने और संगठित आपराधिक नेटवर्क, खासकर जो नारकोटिक्स डिस्ट्रीब्यूशन, गैर-कानूनी हथियारों की सप्लाई और दूसरी गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल हैं, उनसे निपटने के लिए ज़्यादा असरदार संस्थागत तरीका बनाने की जरूरत पर जोर दिया. छठ पूजा का त्योहार नजदीक आने पर गृह मंत्री ने पूरी दिल्ली में सुरक्षा और भीड़ मैनेजमेंट के इंतजाम का भी जायजा लिया. इस त्योहार को मनाने के लिए लाखों भक्तों के राष्ट्रीय राजधानी में 1,400 से ज़्यादा तय घाटों पर आने की उम्मीद है. कानून-व्यवस्था बनाए रखना दिल्ली पुलिस के लिए जरूरी हो गया है.

मौत का डर नहीं: धमकियों के बीच बांग्लादेश लौटना चाहती हैं शेख हसीना, बोलीं- अपनी मिट्टी में मरना पसंद करूंगी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि गिरफ्तारी, जेल या जान जाने का खतरा उन्हें ढाका लौटने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि अपने लोगों से दूर रहने के बजाय,



वह अपनी मातृभूमि में मरना ज्यादा पसंद करेंगी। आईएएनएस को दिए एक विशेष ऑडियो इंटरव्यू में हसीना ने कहा कि जो उन्हें सही लगता है, उसे करने से उन्हें कभी डर नहीं रोक पाया। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी राजनीतिक अनिश्चितता और अपनी सुरक्षा को लेकर खतरों के बावजूद वह बांग्लादेश लौट चुकी हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'देखिए, मैं खतरों को अच्छी तरह समझती हूं। हो सकता है कि पहुंचते ही मुझे गिरफ्तार कर लिया जाए। वे मुझे जेल भेज सकते हैं। यहां तक कि वे मुझे मारने की कोशिश भी कर सकते हैं। मैंने इन सभी संभावनाओं के बारे में सोच लिया है। लेकिन, आपको पता है, मैंने बहुत पहले ही अपनी निजी सुरक्षा की चिंता करना छोड़ दिया था। 1981 में सैन्य शासन के बावजूद मैं बांग्लादेश लौटी थी। फिर 2007 में भी मैं लौटी, जबकि मुझे पता था कि सेना समर्थित सरकार मुझे गिरफ्तार कर सकती है। मैंने जेल का सामना किया है और मेरी जान लेने की कई बार कोशिशें भी हुई हैं। जो मुझे सही लगता है, उसे करने से मुझे कभी डर नहीं रोक पाया।' बांग्लादेश के बिगड़ते हालात पर गहरी चिंता जताते हुए हसीना ने कहा कि देश एक बेहद कठिन दौर से गुजर रहा है। उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, आम लोग परेशान हैं और कई परिवारों के घर तथा आजीविका छिन गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के लोगों ने जो मुश्किलें झेली हैं, उन्होंने उनके लौटने और लोगों के साथ खड़े होने के संकल्प को और मजबूत किया है, भले ही इससे उनकी जान को खतरा क्यों न हो। वहीं, बांग्लादेश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर हसीना ने कहा, 'आज मेरा देश एक बहुत ही बुरे दौर से गुजर रहा है। हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को सताया जा रहा है। आम लोग तकलीफ झेल रहे हैं और परिवारों के घर और रोजी-रोटी छिन रही है। जब मेरे लोग इतनी मुश्किलें झेल रहे हैं, तो मैं उनसे दूर कैसे रह सकती हूं? मैंने अपना पूरा राजनीतिक जीवन बांग्लादेश के लोगों के साथ बिताया है। मेरे साथ चाहे जो भी हो, मैं उनके साथ खड़ी रहना चाहती हूं। अगर मुझे मरना ही है, तो मैं अपने ही देश की मिट्टी पर, अपने ही लोगों के बीच मरना पसंद करूंगी।'

एलिस हुआंग चीनी जासूस हैं या नहीं: अब तक तय नहीं कर पाया अमेरिकी न्याय विभाग

वॉशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग से कथित संबंधों को लेकर चर्चा में आईं एलिस हुआंग के चीनी जासूस होने के आरोपों पर अमेरिकी न्याय विभाग ने अब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने गुरुवार को कहा कि जांच में अभी यह स्थापित नहीं हुआ है कि एलिस चीनी खुफिया एजेंसी के लिए काम कर रही थीं या नहीं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्लांश से एलिस हुआंग पर लगे चीनी जासूस होने के आरोपों को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई दावा नहीं किया है। ब्लांश ने कहा कि न्याय विभाग, वह खुद या एफबीआई निदेशक काश पटेल ने एलिस हुआंग की भूमिका को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी यह तय नहीं हुआ है कि एलिस चीनी सरकार की ओर से काम कर रही थीं या नहीं। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने बताया कि न्याय विभाग सिंगापुर की डेटा कंपनी मेगास्पीड की गतिविधियों की जांच कर रहा है। यह जांच अमेरिकी वाणिज्य विभाग के साथ मिलकर की जा रही है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि कंपनी एनवीडिया के एडवांस चिप खरीदकर उन्हें आगे चीन भेज रही थी। ब्लांश ने कहा कि उन्हें इस मामले की जांच करने की वाणिज्य विभाग की क्षमता को लेकर कोई चिंता नहीं है। एलिस हुआंग सिंगापुर स्थित मेगास्पीड से जुड़ी एक कारोबारी हैं। इससे पहले आई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि चीनी खुफिया एजेंसियों से संभावित संबंधों के कारण अमेरिकी खुफिया एजेंसियां उन पर नजर रख रही थीं। हालांकि, अमेरिकी अटॉर्नी जनरल के ताजा बयान से साफ है कि इन आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है।



मैं बहुत घटिया इंसान हूं: इस्तीफे से पहले जेनसन नेकही थी ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की दिग्गज चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग को आखिरकार अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। निजी संबंधों को लेकर सामने आए आरोपों के बीच कंपनी के बोर्ड ने बुधवार देर रात हुई बैठक में उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्तीफे से पहले हुआंग ने खुद को बेहद निराश बताया और कहा कि उन्हें अब अपने भविष्य की चिंता नहीं है। रिपोर्ट में घटनाक्रम से परिचित एक व्यक्ति के हवाले से बताया गया है कि कई हफ्तों तक आरोपों का खंडन करने और पद पर बने रहने की कोशिश के बाद बुधवार रात हुआंग ने हार मान ली। कंपनी में उनके काम करने का तरीका भी बदल गया था। वह पहले की तरह फैसले लेने और हर चीज पर नजर रखने के बजाय अब 'जो भी हो' और 'मुझे परवाह नहीं' जैसे वाक्य कहने लगे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में उनसे बात करने वाले लोगों ने बताया कि जेनसन हुआंग खुद को लेकर काफी कठोर टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने कथित तौर पर खुद को 'बहुत घटिया इंसान' कहा। उनका कहना है कि अब उन्हें अपने साथ क्या होगा, इसकी परवाह नहीं है। उनकी मुख्य चिंता अपनी पत्नी को लेकर है। साथ ही वह नहीं चाहते कि सार्वजनिक रूप से उनसे जोड़ी जा रही महिलाओं की जिंदगी भी प्रभावित हो। अक्तूबर के आखिर में खबरें सामने आई थीं कि हुआंग के चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग से करीबी संबंध थे। बोर्ड में लंबे समय से कंपनी से जुड़े निवेशक, कारोबारी साझेदार और हुआंग के करीबी लोग शामिल थे। हुआंग ने अपने दोस्तों और सहयोगियों से कहा था कि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ बेवफाई नहीं की है। कंपनी के भीतर भी 2025 के आखिर से उनसे इस बारे में सवाल किए जा रहे थे। सीईओ के तौर पर दिए गए अपने आखिरी इंटरव्यू में उन्होंने ब्लूमबर्ग से कहा था कि एलिस हुआंग के साथ उनके संबंध चीन के ग्राहकों और अधिकारियों के साथ सामान्य कारोबारी रिश्तों जैसे थे। हालांकि, 6 नवंबर को फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया कि दोनों के बीच रोमांटिक संबंध थे।



आसमान में फिर हड़कंप; मेरे पास बम है... चिल्लाते हुए कॉकपिट में घुसा यात्री, पायलट ने भेजा हाईजैक अलर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हवाई यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। न्यू जर्सी के नेवार्क से लुइसियाना जा रही यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट में एक यात्री ने कथित तौर पर बम होने की धमकी दी और कॉकपिट में जबरन घुसने की कोशिश की। घटना के बाद विमान में अफरा-तफरी मच गई। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) के अनुसार, इस घटना के चलते हाईजैक अलर्ट जारी किया गया। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

उड़ते विमान में दी बम की धमकी: फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 2174 सोमवार रात न्यू जर्सी के नेवार्क से न्यू ऑरलियन्स जा रही थी। इसी दौरान यात्री रोनी अलेक्जेंडर गोमेज-अल्बर्टो ने कथित तौर पर विमान में बम होने का दावा किया और कॉकपिट की ओर जबरन घुसने की कोशिश की। विमान में उस समय 46 यात्री और चालक दल के छह सदस्य मौजूद थे। आरोपी की इस हरकत के बाद विमान की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति पैदा हो गई। यात्री की कथित हरकत के कारण हाईजैक अलर्ट जारी हुआ। हालांकि, विमान के पायलटों ने औपचारिक रूप से हाईजैक घोषित किया था या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यूनाइटेड एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान में एक यात्री ने बाधा उत्पन्न करने वाली हरकत की थी। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से न्यू ऑरलियन्स के लुइस आर्मस्ट्रांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतर गया। वहां स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के



अधिकारी पहले से मौजूद थे। विमान के गेट पर पहुंचते ही पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ आतंकित करने और आगजनी की योजना के बारे में झूठी जानकारी देने के आरोप लगाए गए हैं। प्रत्येक मामले में 5 लाख डॉलर का बांड निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, उसे भगोड़े के रूप में भी हिरासत में रखा गया है, जिसके लिए कोई जमानत राशि निर्धारित नहीं की गई है। गिरफ्तारी के बाद आईसीई ने आरोपी के खिलाफ हिरासत संबंधी औपचारिक आदेश भी जारी किया।

दो बार अमेरिका से निकाला जा चुका आरोपी: अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, आरोपी गोमेज-अल्बर्टो होंडुरास का नागरिक है। उसका पहले भी आपराधिक गतिविधियों से जुड़ा रिकॉर्ड रहा है। इसमें बम की धमकी देने, आतंकित करने की धमकी देने और सार्वजनिक अव्यवस्था फैलाने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी का आव्रजन नियमों के उल्लंघन का भी लंबा इतिहास रहा है। उसे दो अलग-अलग मौकों पर अमेरिका से निर्वासित किया जा चुका है और तीन बार गिरफ्तार किया गया है। इसके बावजूद जनवरी 2020 में एक आव्रजन न्यायाधीश ने उसे आगे की निर्वासन प्रक्रिया पूरी होने तक आईसीई की हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया था।

इस घटना के पीछे आरोपी का मकसद क्या था, अधिकारियों ने अभी तक इसका खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उसका न्यू ऑरलियन्स से कोई संबंध था या वह किसी विशेष उद्देश्य से वहां जा रहा था। जांच एजेंसियों ने यह भी नहीं बताया है कि आरोपी कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल हुआ था या नहीं और विमान में मौजूद यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों ने किस तरह स्थिति को संभाला। घटना में किसी के घायल होने की भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

फायदों के बावजूद अटका पुलिस का बड़ा रिफॉर्म सतीश गोलछा के जाने के बाद ठप पड़ा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई पुलिस की तर्ज पर दिल्ली पुलिस में भी जांच और कानून-व्यवस्था की टीमों को अलग-अलग करने की कवायद पूर्व पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा के हटते ही फिर ठंडे बस्ते में चला गया।

बताया गया कि कम समय में दिल्ली पुलिस में कई बेहतर बदलाव लाने वाले गोलछा ने इस विषय पर भी 10 जुलाई को पुलिस मुख्यालय में सभी आला अधिकारियों के साथ बैठक की की थी और उन्हें इस बदलाव के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए थे, लेकिन एक सप्ताह बाद ही उनको आयुक्त पद से हटा देने पर यह मामला ठप पड़ गया है।

इस तरह की व्यवस्था अब तक केवल मुंबई पुलिस में है। दिल्ली में भी पिछले एक दशक में इस तरह की व्यवस्था बनाने के लिए दो से तीन बार प्रयास किए गए। कुछ जिलों के कुछ थानों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जांच और कानून व्यवस्था को अलग-अलग भी किया गया। कई महीनों तक यह सिलसिला चला भी, लेकिन पुलिसकर्मियों की भारी कमी



और आए दिन दिल्ली में अचानक धरना प्रदर्शन होने से यह व्यवस्था लागू कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। गोलछा ने बेहतर पुलिसिंग के लिए इस नियम को हर हाल में लागू करने का मन बना लिया था। महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर जिले में एक-एक महिला थाना खोलने, साइबर अपराधियों के शिकार पीड़ितों की शिकायत पर तुरंत एफआइआर दर्ज करने, मकोका सेल बनाने, आपरेशन साय हाक शुरू करने जैसे निर्णय गोलछा द्वारा लिया गया बेहतर कदम माना जा रहा है। दिल्ली पुलिस में हमेशा से पुलिस बल की भारी कमी रही है। इस नई व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू करना तभी संभव हो पाएगा जब थानों में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाकर कम से कम दोगुनी की जाए अन्यथा, दोनों टीमों को अलग करने में व्यावहारिक परेशानियां आ सकती हैं।

परिसीमन विधेयक में शामिल हो सकता है शाह का 50 प्रतिशत अतिरिक्त लोकसभा सीटों वाला फॉर्मूला, क्या बोली कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार संसद का एक विशेष सत्र बुलाने की योजना पर विचार कर रही है ताकि परिसीमन विधेयक, 2026 को पारित कराया जा सके। सरकार के अनुसार, यह विधेयक महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 को लागू करने से जुड़ा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि केंद्र को अपने पास मौजूद संख्याबल पर पूरा भरोसा है और उसके पास जरूरत से कम से कम 15-16 वोट ज्यादा हैं, लेकिन उन्होंने प्रस्तावित सत्र की तारीखों या उसकी अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत हासिल करने हेतु सरकार को 361 वोटों की जरूरत है। 543 सदस्यों वाले सदन में तीन सीटें खाली हैं। परिसीमन विधेयक में प्रस्तावित संशोधन के तहत लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने का लक्ष्य है। इससे संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। यह 2011 की जनगणना पर आधारित होगा। सरकार का यह प्रस्तावित कदम ऐसे समय में आया है जब 17 अप्रैल को बजट सत्र की एक विशेष बैठक के दौरान इसी तरह का एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में जरूरी संख्या बल हासिल करने में विफल रहा था। संसद को कम समय के नोटिस पर बुलाने की संभावना अभी भी बनी हुई है, क्योंकि मानसून सत्र अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है। यह सत्र अब 91 दिनों से सत्रावसान के बिना चल रहा है, जिसने 2008 में बने 87 दिनों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।अप्रैल में विपक्षी दलों खासकर दक्षिण भारत के दलों के साथ हुई बातचीत में सरकार ने कहा था कि वह सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव रखती है, ताकि 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बना रहे। इस प्रस्ताव का मकसद दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करना था, क्योंकि सरकार 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करना चाहती है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं उद्योग, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने दिवंगत डॉ.जसवंत सिंह यादव के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने बहरोड विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. जसवंत सिंह यादव के निधन पर अलवर स्थित आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभानी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतृप्त परिवारजनों का ढाढ़स बंधाया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, तिजारा विधायक महन्त बालकनाथ, डीडवाना विधायक युनूस खान, नगर निगम महापौर सुमनलता अग्रवाल, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत व रोहिताश शर्मा, पूर्व विधायक अशोक परनामी, जयराम जाटव व बनवारी लाल सिंघल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

राज्यपाल ने हैरीकॉन-2026 के तीसरे संस्करण के कार्यक्रम में की शिरकत

चिकित्सा क्षेत्र के उत्तरोतर विकास हेतु अनुसंधान एवं नवीन तकनीक का प्रयोग आवश्यक- राज्यपाल बागडे



राजस्थान की राजनीति

जयपुर/अलवर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को टेल्को सर्किल स्थित हरीश हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में आयोजित हैरीकॉन-2026 के तीसरे संस्करण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवित शुभारम्भ किया।

राज्यपाल बागडे ने चिकित्सा शिक्षा के अनुसंधानों एवं नवीन आयामों के लिए आयोजित हैरीकॉन-2026 के तीसरे संस्करण के आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा क्षेत्र में केवल क्लिनिकल दक्षता के साथ बल्कि नवीन शोधों की आवश्यकता है। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्रा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का है, इससे मरीजों के उपचार में काफी सुगमता हो रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पद्धति में मशीनें सहायक सिद्ध तो हो सकती हैं लेकिन चिकित्सकों का स्थान नहीं ले सकती, क्योंकि मानवीय संवेदनाएं एवं भावनाएं चिकित्सकीय परामर्श में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि एक अच्छे चिकित्सक के लिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ मरीज के साथ संवेदनशील रहकर समुचित उपचार किया जाना चाहिए। इससे चिकित्सा व्यवस्था की बेहतरी के साथ-साथ मरीज का चिकित्सा व्यवस्था व चिकित्सक में विश्वास प्रगाढ़ होता है। उन्होंने कहा कि रोगों से बचने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए, जिसमें योग एवं हमारी परम्परागत भोजन पद्धति को शामिल किया जाना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने पुरातन भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजस्थान के सभी जिलों में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की क्रियान्विति का फीडबैक लेने के साथ टीबी मुक्त व नशा मुक्त राजस्थान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है।

राजस्थान संपर्क 181 पर परिवादियों से सीधे जुड़े मुख्य सचिव, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

विद्यालयों में सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

शहरी और ग्रामीण सेवाओं में शिकायतों का निस्तारण हुआ तेज, प्रगति पर मुख्य सचिव ने जताई प्रसन्नता

राजस्थान की राजनीति





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जन शिकायतों के समयबद्ध समाधान को प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को राजस्थान संपर्क 181 केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वीडियो कॉल पर पाँच परिवादियों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

सीकर जिले के एक विद्यालय में छात्राओं के साथ अनुचित स्पर्श की शिकायत पर मुख्य सचिव ने प्रारंभिक शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए और विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों तथा अभिभावकों को भी इससे जोड़ा जाए।

जयपुर जिले के शंकर लाल यादव ने कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपने नवजात की देखभाल से जुड़ी समस्या बताई। मुख्य सचिव ने वीडियो कॉल पर ही संबंधित चिकित्सा अधिकारी को नवजात की समुचित देखभाल और केंद्र में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने को कहा।

दौसा के एक परिवादी ने जन आधार में आय प्रमाणपत्र का विवरण अद्यतन करने में देरी की शिकायत की। मुख्य सचिव ने मौके पर उपस्थित आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निदेशक को प्रकरण की जांच करने और जन आधार से जुड़ी सभी शिकायतों की समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रसोई गैस कनेक्शन के स्थानांतरण में देरी और एक छात्रा को अर्द्धवार्षिक परीक्षा में शामिल होने से रोके जाने की शिकायतों पर भी संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने को कहा।

मुख्य सचिव ने राजस्थान संपर्क की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और शिकायतों के निस्तारण में आई तेजी तथा परिवादियों की बढ़ी संतुष्टि पर प्रसन्नता व्यक्त की। 13 नवंबर तक की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले निरीक्षण के बाद शहरी और ग्रामीण सुविधाओं की सभी 27 श्रेणियों में औसत निस्तारण समय घटा और 23 श्रेणियों में परिवादियों की संतुष्टि बढ़ी। नगरीय निकायों में निस्तारण का औसत समय 18 से घटकर 12 दिन और ग्रामीण पेयजल सेवाओं में 16 से घटकर 12 दिन रहा। इन सेवाओं में परिवादियों की संतुष्टि दर क्रमशः 9.37 और 4.82 प्रतिशत अंक बढ़ी।

'कृष्ण-राधा से रणभूमि तक' कार्यक्रम सनातन संस्कृति को मजबूती देने वाला

बृज क्षेत्र से मेरा गहरा नाता, संगीतमय प्रस्तुति ने जीवंत की भगवान श्री कृष्ण की लीलाएं - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा



राजस्थान की राजनीति

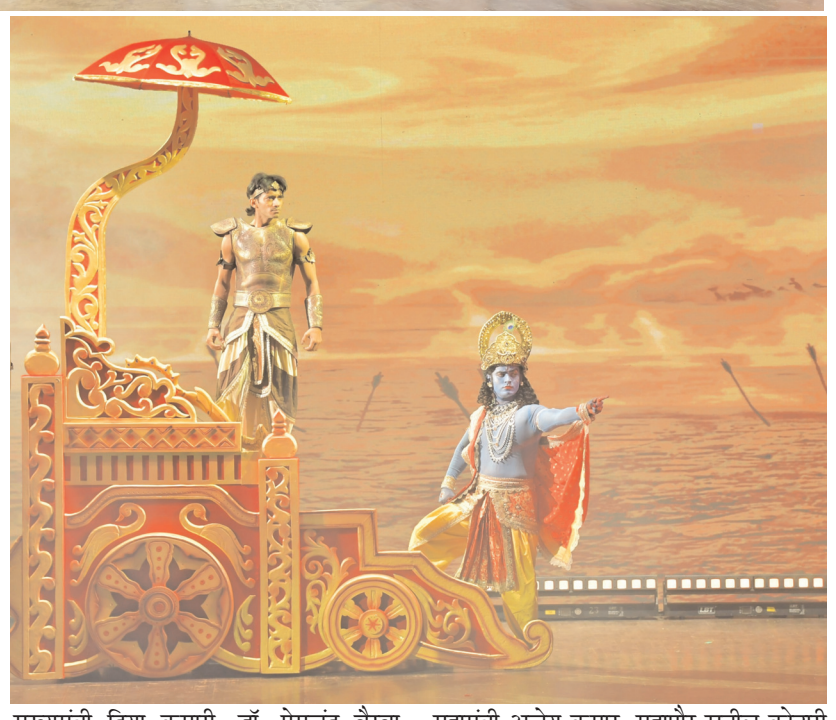

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बिड़ला सभागार में लेखक एवं कलाकार मनोज मुंतशिर की विशेष लाइव म्यूजिकल प्रस्तुति 'कृष्ण-राधा से रणभूमि तक' कार्यक्रम को देखा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर के प्रति व्यक्ति जिस श्रद्धा से अपने भाव अर्पित करता है, उसे उसी अनुसार फल मिलता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से भगवान कृष्ण की लीलाओं का अद्भुत मंचन किया गया है। इसके लिए सभी कलाकार और इसके आयोजक बधाई के पात्र हैं तथा इस प्रकार की प्रस्तुति से हमारी सनातन संस्कृति और अधिक मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अष्ट छाप के कवि गोविंद स्वामी जी और बृज क्षेत्र से उनका गहरा नाता है। बृज में समय बिताकर भगवान कृष्ण की लीलाएं आज भी देखने को मिल जाती हैं।

मुख्यमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सांसद मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष राजेश मंगल, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, महापौर सुनील कोठारी सहित अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श अपनाने का किया आह्वान, राज्यपाल बागडे ने जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दी

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) पर बधाई और शुभकामनाएं दी है।

बागडे ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस जल, जंगल और जमीन के लिए प्रतिबद्ध आदिवासी कल्याण की प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस पर जनजातीय क्षेत्रों के कल्याण के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श हमारी धरोहर हैं। बिरसा मुंडा ने जनजाति गौरव, जनजातीय संस्कृति, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष किया। इसी से वह जनजातीय गौरव का प्रतीक बने।

राजस्थान में 36,054 गांवों में ड्रोन सर्वे पूर्ण, 19 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को मिला संपत्ति का आधिकारिक दस्तावेज 'स्वामित्व कार्ड'

शासन सचिवालय में शनिवार को स्वामित्व योजना प्रगति की समीक्षा बैठक

मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों और जिला कलेक्टर को दिए दिशा-निर्देश



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी राज्यों के साथ 'प्रगति' (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) की समीक्षा बैठक 25 नवंबर को प्रस्तावित है। इसके क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को शासन सचिवालय स्थित चिंतन सभागार में स्वामित्व योजना की प्रगति पर समीक्षा की।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि स्वामित्व योजना से ग्रामीण परिवारों को अपनी सम्पत्ति के आधिकारिक दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। इसके आधार पर बैंकों से ऋण प्राप्त करने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि संपत्तियों की स्पष्ट सीमाओं और आधिकारिक अभिलेखों से ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि एवं संपत्ति संबंधी विवादों में कमी तथा पारदर्शिता बढ़ी है।

बैठक में शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज डॉ. जोगा राम ने योजना के विभिन्न चरणों की उपलब्धियों एवं प्रगतिरत कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया गया कि प्रदेश के अधिसूचित आबादी के 36 हजार 277 गांवों में से 36 हजार 54 गांवों में ड्रोन सर्वे पूरा हो चुका है। यह कुल गांवों का 99.4 प्रतिशत है। प्रदेश में अब तक 19 लाख 9 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। वहीं 27 हजार 705 गांवों का जमीनी सत्यापन पूरा किया जा चुका है। इससे संपत्तियों के वास्तविक एवं सीमाओं के निर्धारण में मदद मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे के बाद तैयार 14.25 लाख संपत्ति कार्ड भी जल्द वितरित किए जाएंगे।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने विभिन्न जिलों के जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से वीसी के जरिए चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी जिला कलेक्टर अपने जिलों की प्रगति रिपोर्ट प्रगति पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

बैठक में मैपिंग, ग्राउंड वेरिफिकेशन और प्रॉपर्टी कार्ड वितरण के शेष कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि कुछ गांवों में भवनों की मैपिंग के लिए दोबारा ड्रोन सर्वे किया गया है। बैठक में शेष कार्यों को समयबद्ध पूरा करने तथा स्वामित्व कार्ड वितरण में तेजी लाने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव, राजस्व एवं उपनिवेशन टी. रविकान्त, भू-प्रबन्ध आयुक्त अल्पा चौधरी और भारतीय सर्वेक्षण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में वीसी के जरिए सभी जिलों से जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और संबंधित अधिकारी जुड़े।

प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक

9-10 दिसम्बर को जयपुर में सांस्कृतिक संध्या और मुख्य कार्यक्रम- मुख्यमंत्री भजनलाल

प्रदेश की विकास यात्रा में प्रवासी राजस्थानी महत्वपूर्ण भागीदार

प्रवासी राजस्थानी दिवस अपनी जन्मभूमि से जुड़ने का अवसर

8 दिसम्बर को झुंझुनूं में शेखावाटी हेरिटेज मीट

राजस्थान की राजनीति





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। ऐसे में प्रवासी राजस्थानी दिवस प्रदेश के प्रवासी राजस्थानियों के लिए अपनी जन्मभूमि से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और निवेश की संभावनाओं से परिचित कराया जाए। मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर आएंगी शेखावाटी की ऐतिहासिक हवेलियां

उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध कला-संस्कृति और स्थापत्य की पहचान हैं, इन्हें वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रवासी राजस्थानी दिवस के तहत आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत 8 दिसम्बर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सीकर, झुंझुनूं और चूरू के प्रमुख प्रवासी राजस्थानियों, उद्योगपतियों और हवेली मालिकों को आयोजन से जोड़ने के निर्देश दिए।

देश-विदेश के विशेषज्ञों की भागीदारी हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 दिसम्बर को शेखावाटी हेरिटेज मीट के बाद 9 दिसम्बर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। वहीं, 10 दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने आयोजन में देश-विदेश के विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaiputak.com, www.dharmjagran.com, www.hindustanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।